RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 228

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

अश्लील वीडियो डिलीट करने के बहाने बुलाकर किया सामूहिक दुष्कर्म, पहले वसूले थे ढाई लाख रुपये

लखनऊ। लखनऊ में एक वीभत्स घटना सामने आई है। यहां दुबग्गा में नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से मोहल्ले के एक युवक ने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर ढाई लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद आरोपी ने वीडियो डिलीट करने के बहाने पीड़िता को घर बुलाया और दो साथियों संग मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को दुबग्गा थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दुबग्गा इलाके में रहने वाली एक महिला की पति से अनबन के दौरान मोहल्ले के ही रेहान खान से जान पहचान हुई। वह उसके घर आने लगा। रेहान ने महिला को नौकरी दिलाने की बात कही और 19 जून को बहाने से चारबाग के होटल कंफर्ट जोन ले गया। वहां रेहान ने नौकरी के नाम पर 38 हजार रुपये ऐंठ लिए। फिर नशीला पदार्थ मिलाकर कोल्डड्रिंक पिला दी। महिला के बेहोश होने पर रेहान ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। आरोपी ने अश्लील वीडियो के बल पर ब्लैकमेल कर उनसे ढाई लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद 25 अगस्त को रेहान ने पीड़िता का अश्लील वीडियो डिलीट करने की बात कही और बहाने से अपने घर बुलाया। पीड़िता जब रेहान के घर पहुंची तो वहां उसके दो साथी पहले से मौजूद थे। आरोप है कि तीनों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घर पहुंचकर पति को जानकारी दी। फिर 26 अगस्त को दुबग्गा थाने में शिकायत की। पुलिस ने केस नहीं दर्ज किया तो पीड़िता ने अधिकारियों को डाक से शिकायती पत्र भेजा मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। इस पर पीड़िता ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर आठ दिसंबर को रेहान खान और उसके दो साथियों के खिलाफ दुबग्गा थाने में केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा का कहना है कि जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पर सस्पेंस खत्म

विधायक दल की बैठक में विष्णुदेव साय के नाम पर मुहर

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद के लिए सस्पेंस बना हुआ था। कई लोगों के नाम सामने आ रहे थे, लेकिन विधयाक दल की बैठक में विष्णुदेव साय के नाम पर मुहर लगी है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर बना सस्पेंस खत्म हो गया है। विष्णुदेव साय को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया है। विधायक दल का नेता चुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित 54 विधायकों की रविवार को रायपुर स्थित भाजपा कार्यालय में अहम बैठक हुई। बैठक में विष्णुदेव साय के नाम पर मुहर लगाई गई। विष्णु देव साय का नाम फाइनल होने के बाद उनके चाहने वाले जश्न मना रहे हैं। कार्यकर्ता समेत नेता ढोल की धुन में झूमते नजर आए हैं। बाजे-गाजे के साथ पटाके फोड़कर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के बाहर जमकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। साय के छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, पूर्व सीएम अजीत जोगी को राज्य का पहला आदिवासी सीएम कहा जाता है, लेकिन उनका इससे जुड़ा मामला कोर्ट में लंबित है।

आदिवासी समाज के बड़े नेता हैं विष्णुदेव साय

विष्णु देव साय आदिवासी समाज के बड़े नेता माने जाते हैं। विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि वे चार बार सांसद, दो बार विधायक, केंद्रीय राज्य मंत्री और दो-दो बार के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें संगठन में काम करने का लंबा अनुभव भी है। साल 2023 में विधानसभा चुनाव में उन्होंने कुनकुरी सीट से जीत हासिल भी की है। प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाए जाने के

ईश्वर साहू का भी नाम आया था सामने

सात बार के विधायक और मंत्री रविंद्र चौबे को हराने वाले ईश्वर साहू का भी नाम सीएम पद के लिये सामने आ रहा था। विधायक दल की बैठक में शामिल होने के लिए वह भी भाजपा कार्यालय पहुंचे थे।कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचकर उन्होंने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है। उन्होंने सीएम चेहरे को लेकर कहा था कि यह संगठन तय करेगा।

छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम बनेंगे: पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह

विधायक दल की बैठक में पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह भी शामिल हुए। रमन सिंह सीएम की रेस में एक प्रबल दावेदार के रूप में पहले नंबर पर थे। विधायक दल की बैठक में शामिल होने से पहले रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम भी बनेंगे। उनके इस बयान से साफ हो गया है कि राज्य में मुख्यमंत्री के ऐलान के साथ डिप्टी सीएम का भी ऐलान होगा। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने मुख्यमंत्री पद के लिए विष्णुदेव साय के नाम का प्रस्ताव रखा था। वहीं, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने उनका समर्थन किया। यह भी बताया जा रहा है कि विधायक दल की बैठक के दौरान रमन सिंह के पास एक कॉल आई थी और उन्होंने बाहर जाकर बात की। कयास लगाए जा रहे हैं कि यह कॉल दिल्ली से आया था।

1989 में राजनीतिक सफर की शुरुआत

उन्होंने अपनी राजनीतिक सफर की शुरुआत 1989 में शुरू की। सबसे पहले वे एक गांव के पंच के रूप में थे। संघ से जुड़े थे। भारतीय जनता पार्टी ने साल 1990 में उनके ऊपर भरोसा जताकर तपकरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक का टिकट दिया गया, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। इसके बाद वे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार के सांसद भी चुने गए। साल 1999 से लेकर साल 2014 तक लगातार तीन बार सांसद रहे हैं।

चर्चा में थी रेणुका सिंह

सीएम पद की रेस में रेणुका सिंह का नाम भी शामिल था। रेणुका सिंह फिलहाल भारत सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। रेणुका सिंह प्रदेश की भरतपुर सोनहत सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। रेणुका सिंह ने कांग्रेस के सीटिंग एमएलए गुलाब कमरों को हराया है। इनका नाम सीएम पद की रेस में इसलिए भी था, क्योंकि रेणुका सिंह छत्तीसगढ़ में आदिवासी महिला विधायक का एक बड़ा चेहरा हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिला सशक्तिकरण पर फोकस भी है।

माया के नरम रुख से भाजपा खेमे में मचा हड़कंप

इंडिया गठबंधन में शामिल होगी बीएसपी, तीस सीटो पर यूपी में लड़ सकती हैं लोकसभा चुनाव

राजवीर सिंह कुश

लखनऊ। बीएसपी लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन में शामिल होकर लड़ेगी। इसके संकेत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती ने दिए हैं। बीएसपी के इस रुख से जहां भाजपा खेमे में हड़कंप मच गया है वही यूपी में बीएसपी तीस लोकसभा सीटो पर चुनाव लडने को तैयार हों गई है। इतना ही नहीं बीएसपी देश के हिंदी शासित राज्यों में भी गठबंधन से ही चुनाव लडेगी। जिससे पार्टी के प्रदर्शन को सुधार कर फिर से पार्टी को मजबूत किया जा सके।

बीएसपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने चुनाव की समीक्षा की। इस दौरान पार्टी नेताओ ने देश में गठबंधन का दौर चलने की बात कही वैसे ही बीएसपी सुप्रीमो ने बताया कि समान विचार धारा और बीएसपी को अपनी पार्टी का बोट ट्रांसफर करने वाले दल से गठबंधन करने की बात कही वैसे ही मायूस बीएसपी नेताओ के चेहरो पर रौनक लौट आई। बीएसपी सूत्र बताते हैं कि बीएसपी सुप्रीमो मायावती से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी के अलावा समाज वादी पार्टी के चारणक्य रामगोपाल यादव ,एसपी अध्यक्ष अखलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव

माया भी लडेगी लोकसभा चुनाव

बीएसपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती ने लोकसभा चुनाव पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लड़ने का भी विचार बना लिया है इसके लिए बुलंद शहर या अंबेडकर नगर सीट को चुन सकती हैं क्योंकि मायावती ने राजनीति शुरू बुलंद शहर सीट की थी। जिससे मायावती पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गिरते जनाधार को पुन अपनी तरफ लाया जा सके। इन राज्यों में भी लडेगी चुनाव। बीएसपी इस बार गठबंधन से राजस्थान में दो, मध्य प्रदेश में तीन, पंजाब में दो ,विहार में एक या दो, दिल्ली,हरियाणा और छत्तीस गढ़ में एक, महाराष्ट्र , गुजरात में भी दो दो सीट पर लोक सभा चुनाव लडेगी । इंडिया गठबंधन सूत्र बताते हैं कि समूचे देश में बीएसपी को पचास सीट देने को तैयार हों गए हैं जिससे देश में भाजपा को पटकनी देने के लिए दलित मुस्लिम मतों के विभाजन को रोका जा सके।

माया को शरद पवार ने मनाया

बीएसपी सुप्रीमो मायावती को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार ने इंडिया गठबंधन में शामिल होने के लिए मनाया है । सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को पटकनी देने के लिए रणनीति बनी है।

माया के जन्मदिन पर हो सकती हैं घोषणा

लोक सभा चुनाव की घोषणा पंद्रह मार्च के बाद होगी लेकिन इंडिया गठबंधन में बसपा शामिल होने की घोषणा पंद्रह जनवरी को बीएसपी सुप्रीमो मायावती के जन्मदिन पर हो सकती है क्योंकि इस दिन जहा नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, मनता दीदी, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे, अखलेश यादव शुभ कामनाएं देने आ सकते है।

सूत्र बताते हैं कि बीएसपी और एसपी तीस तीस लोक सभा सीट पर चुनाव लडने की सहमति बन गई है बही गठबंधन के सहयोगी आजाद समाज पार्टी काशीराम के चंद्र शेखर आजाद को एक , लोकदल के जयंत चौधरी को दो से तीन, अन्य दलों को दो से पांच जबकि कांग्रेस के लिए अमेठी, रायबरेली, इलाहाबाद, इन सीटो पर सोनिया गांधी,राहुल गांधी, प्रियंका गांधी चुनाव लडेगी इसके साथ साथ अगर मेनिका गांधी, वरुण गांधी भाजपा छोड़कर चुनाव लडेंगे तो उनके लिए ये सीट छोड़ दी जाएगी। शेष सीटो पर गठबंधन नेताओ से बातचीत कर निर्णय लिया जाएगा।

ओपीएस में 1000 करोड़ का घोटाला

वित्त विभाग के अधिकारियों ने ठिकाने लगा दी NPS की रकम

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान में सरकार बदलने के बाद अब वित्त (मार्गोपाय) विभाग के शीर्ष अफसरों की करतूत एक-एक कर सामने आ रही है। पिछली गहलोत सरकार ने कर्मचारियों के हित को देखते हुए जो ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू की थी उसमें भी वित्त विभाग के आला अफसरों ने बड़ा झोल कर दिया। ओपीएस की घोषणा करने के बाद भी जनवरी 2022 से मार्च 2022 तक कर्मचारियों के एनपीएस अंशदान की कटौती की गई। लेकिन, इस रकम को न तो केंद्र सरकार के एनएसडीएल फंड में जमा करवाया और न ही राजस्थान में कर्मचारियों के लिए खोले गए जीपीएफ खातों में रखा गया। विभाग के अफसरों ने इस पैसे को सामान्य राजस्व मद में जमा करवाकर खर्च कर दिया। यह खुलासा सीएजी की एक रिपोर्ट के अलावा 15वीं विधानसभा के अंतिम सत्र में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में भी हुआ है।

कर्मचारी को भी ठग लिया

प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू होने से पहले सरकार ने कर्मचारियों और उसके अनुपात में खुद का अंशदान एनएसडीएल में जमा करवाना बंद कर दिया, जबकि कर्मचारियों के वेतन से यह पैसा काटा गया था। यह रकम 641 करोड़ रुपए है। अब यह राशि न तो एनएसडीएल में जमा हुई न ही सरकार के पास लौटाने के लिए बची है।

ओपीएस पर पड़ी दोहरी मार

कर्मचारियों को ओपीएस में दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। न सिर्फ उनके एनपीएस का पैसा बजट घोषणाओं की पूर्ति में खर्च दिया बल्कि कर्मचारियों ने एनपीएस विड्रॉल का जो पैसा सरकार को वापस लौटाया उसे भी ठिकाने लगा दिया। यह राशि 382.41 करोड़ रुपए की है।

मुफ्त योजनाओं पर रकम कर दी खर्च

दरअसल, पिछली गहलोत सरकार ने ओपीएस लागू करने के साथ यह शर्त रखी थी कि जिन लोगों को ओपीएस में पेंशन लेनी है उन्हें एनपीएस से विड्रॉ की गई राशि ब्याज के साथ सरकार को लौटानी होगी। इस राशि को जीपीएफ खातों में जमा करवाया जाना था। लेकिन, अफसरों ने इसे मुफ्त की योजनाओं पर खर्च कर दिया। अब आने वाली नई सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती होगी कि कर्मचारियों के एक हजार करोड़ रुपए के फंड को वह कैसे वापस लौटाएगी। इसके साथ ही इस राशि को ठिकाने लगाने वाले जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है भी देखने वाली बात होगी।

मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सस्पेंस जारी

मंगलवार को होगी विधायक दल की बैठक

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान का सीएम कौन होगा यह अब तक तय नहीं है। वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के साथ मुलाकात कर लगातार अपनी ताकत दिखा रहीं हैं। वहीं, दूसरी तरफ सोमवार को होने वाली विधायक दल की बैठक भी टल गई है। अब यह मंगलवार को हो सकती है।

राजस्थान का मुख्यमंत्री कौन होगा ये जानने के लिए अभी और इंतजार करना होगा। तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम सामने आने के बाद से भाजपा सीएम को लेकर फैसला नहीं कर पाई है। रविवार को छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान कर दिया गया। विष्णुदेव साय को राज्य की कमान सौंपी गई है। लेकिन, राजस्थान और मध्यप्रदेश में अभी तक सीएम तय नहीं हो पाया है। सोमवार आज मप्र में विधायक दल की बैठक है। लेकिन, राजस्थान में होने वाली ये बैठक लखनऊ में राष्ट्रपति के दौरे के कारण टल गई है। अब यह बैठक मंगलवार को होगी।

वसुंधरा राजे का शक्ति प्रदर्शन जारी

इधर, रविवार शाम को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हलचल तेज हो गई थी। वहां की सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई थी। डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची थी। ऐसे में कयास लगाए गए कि पार्टी की ओर से तय किए गए तीनों पर्यवेक्षक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावडे और सरोज पांडेय देर शाम जयपुर पहुंच सकते हैं। रात में विधायकों के साथ बैठक की बात भी सामने आई थी। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ।

इसलिए टली बैठक

दूसरी तरफ चर्चा ये भी थी कि रविवार को विधायकों के साथ होने वाली पर्यवेक्षकों की बैठक टल गई है। ऐसा इसलिए कहा गया था क्योंकि, सोमवार और मंगलवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु लखनऊ में रहेंगी। ऐसे में लखनऊ के सांसद होने के नाते राजनाथ सिंह की मौजूदगी राष्ट्रपति के कार्यक्रम में भी प्रस्तावित थी। देर रात ये साफ हो गया कि राष्ट्रपति के दौरे के कारण विधायक दल की बैठक टाल दी गई है।

पूर्व विधायक ने राजे को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी की

रविवार को वसुंधरा राजे से मुलाकात करने वालों में पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल का भी नाम है। उन्होंने राजे को मुख्मंत्री बनाने की बात कही। गुंजल ने कहा- राजस्थान के आर्थिक हालात खराब हैं, ऐसे में प्रदेश का मुख्यमंत्री अनुभवी होना चाहिए। राजस्थान में सिर्फ वसुंधरा राजे ही अनुभवी नेता हैं। प्रदेश की जनता भी इस बात को महसूस कर रही है। मैं और प्रदेश की जनता यही चाहती है कि वसुंधरा राजे ही सीएम बननी चाहिए।

जल्द आएगा नया संदेश

रविवार को जयपुर पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जल्द ही एक सकारात्मक और नया संदेश आएगा। पार्टी आलाकमान और राजस्थान के सभी विधायक उचित समय पर निर्णय लेंगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ पहुंचा विकास खण्ड हसनगंज

द अचीवर टाइम्स, महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। विकास खण्ड हसनगंज की ग्राम पंचायत अहमदपुरवादे में विकास भारत संकल्प कार्यक्रम का हुआ आयोजन ग्राम प्रधान के द्वारा कार्यक्रम का किया गया आयोजन जिसके मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उन्नाव सांसद डॉक्टर सच्चिदानन्द हरि साक्षी महाराज जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की लाभकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को दी जानकारी कहा पूरे देश में सबकी एक ही गारंटी मोदी गारंटी! कहा मोदी है तो मुमकिन है पेंशन, राशन, आवास, बिजली, गैस कनेक्शन, पीने के लिए गंगा जल का किया प्रबंधन जल ही जीवन योजना के तहत हर घर पहुंचा रहे गंगाजल कहा मोदी है तो मुमकिन है एक ही गारंटी मोदी गारंटी! कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण हो रहा है जो कि इससे पहले आई हुई सरकारों ने कभी रामलला का मन्दिर बनवाने की सोचा ही नहीं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा न कोई आया था ना आएगा वह भारत की जनता को ही अपना परिवार मानते हैं।

ग्रामीणों से भारतीय जनता पार्टी को वोट देने की अपील।

मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राकेश साहू , ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चंद्रपाल रावत , जिला पंचायत सदस्य इंद्रमोहन सिंह , हसनगंज विकास खण्ड अधिकारी गुलाबचंद , सहायक समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार रावत , ग्राम सचिव देशदीपक गौड़ , क्षेत्रीय लेखपाल चंद्रशेखर सक्सेना , राजकीय बीज भंडार प्रभारी योगेंद्र कुमार , हसनगंज प्रधान संदीप , महेंद्र कुमार, अतुल कुमार रावत, राहुल पंडित , अखिलेश तिवारी , आदर्श कुमार तिवारी, समेत हजारों की संख्या में नन्हे मुन्ने बच्चे व महिलाएं रही उपस्थित।

आंगनबाड़ी केंद्रों की चना दाल व सोयाबीन तेल ताले में बंद

सवायजपुर। पोषक आहार के तौर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को दी जाने वाली चने की दाल, सोयाबीन तेल ताले में बंद होने से लाभार्थियों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। नैफेड की ओर से प्राप्त सामग्री भरखनी बाल विकास परियोजना कार्यालय के गोदाम में डंप है। भरखनी बाल विकास परियोजना के तहत करीब 216 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों पर पंजीकृत नौनिहालों के साथ ही गर्भवती, धात्री महिलाओं को पोषक आहार दिए जाने की व्यवस्था है। लाभार्थियों को देने के लिए चने की दाल, सोयाबीन तेल की आपूर्ति रमापुर स्थित परियोजना कार्यालय पर नैफेड की ओर से की जा चुकी है। नैफेड की ओर से 500 ग्राम के 9,720, एक किलोग्राम के 14,913 पैकेट डंप हैं। इससे इनका वितरण आंगनबाड़ी केंद्रों पर नहीं हो पा रहा है। तीन माह से परियोजना के केंद्रों पर राशन का वितरण नहीं हो पाया है। करीब 20 दिन पहले ही चना की दाल, सोयाबीन तेल प्राप्त हुआ है।

हेड कांस्टेबल संदीप यादव ने बढ़ाया यूपी पुलिस का मान

मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते दर्जनों पदक

❖ लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात हेड कांस्टेबल संदीप यादव ने मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दर्जनों पदक जीत कर बढ़ाया यूपी पुलिस का मान

द अचीवर टाइम राज जायसवाल।

लखनऊ। कानपुर में चल रही 32वी यू पी मास्टर एथलेटिक चैंपियनशिप में लखनऊ पुलिस की तरफ से इटौंजा थाने में कार्यरत हेड कांस्टेबल संदीप यादव ने स्वर्ण पदक जीतकर कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस का मान बढ़ाया इस प्रतियोगिता का उद्घाटन वर्तमान डीसीपी पश्चिम कानपुर आईपीएस विजय ढुल ने किया और सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मनित किया। हेड कांस्टेबल संदीप यादव ने पूर्व में भी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय और ऑल इण्डिया पुलिस एथलेटिक प्रतियोगताओं में भी दर्जनों पदक प्राप्त किए हैं और उत्तर प्रदेश पुलिस के सम्मान में चार चांद लगाए है कहते हैं कि खेलने की कोई उम्र नहीं होती है। संदीप यादव 2005 से 2014 तक 35 वी वाहिनी PAC बटालियन में बतौर खिलाड़ी रहे जहाँ से नेशनल,इंटरनेशनल,व ऑल इंडिया पुलिस भाला फेक खेलो में दर्जनों पदक प्राप्त किये,वर्ष 2018 से 2022 में रिजर्व पुलिस लाइन लखनऊ में ड्यूटी करते हुए अपने खेल अभ्यास को निरंतर जारी रखा यूपी मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लगातार चौथी बार पदकों की हैट्रिक लगाई है। कानपुर में आयोजित प्रतियोगिता में पदक जीतकर लखनऊ जिले का नाम रोशन किया है। संदीप यादव थाना इटौंजा ड्यूटी के साथ साथ अपने खेल अभ्यास को भी निरंतर जारी रखते रहे है संदीप यादव थाना गुडम्बा में रहते हुए स्पोर्ट्स कॉलेज में समय निकाल कर अभ्यास करते थे,वर्तमान में थाना इटोंज में नियुक्त है यूपी मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लगातार चौथी बार पदकों की हैट्रिक लगाई है। कानपुर में आयोजित प्रतियोगिता में लखनऊ पुलिस का नाम रोशन किया है।

एक नज़र

पल्स पोलियो अभियान की हुई शुरुआत

द अचीवर टाइम्स ङ्क अनुभव सिंह यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 दिसंबर से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई।

क्यों जरूरी है बच्चों के लिए पोलियो की बूंद

इस संबंध में निखिल मिश्रा ने बताया कि पोलियो जल्दी से फैलने वाली एक बीमारी है। जो ज्यादातर छोटे बच्चों को ज्यादा प्रभावित करती है।यह एक जानलेवा बीमारी है जो बच्चों के सीधा नर्वस सिस्टम पर अटैक करती है। इसलिए पोलियो का टीकारण बेहद जरूरी है।

भाजपा सांसद के पिता ने फीता काटकर दीप किये प्रज्वलित

द अचीवर टाइम्स कुन्दन सिंह

मियाँगंज उन्नाव। विकास खण्ड परिसर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुँचे सांसद डॉ हरि सच्चिदानंद साक्षी महाराज ने कार्यक्रम का फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर सुभारम्भ किया। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान नगमा अंसारी उनके प्रतिनिधि मो0 जफर व ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र सिंह,बीजेपी नेता महेन्द्र गुप्ता बब्लू,अखिलेश तिवारी,बैरागी यादव,अमित अवस्थी,गंगाराम मास्टर ने माल्यार्पण कर स्वागत किया । स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत व अन्य मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये । सांसद डॉ हरि सच्चिदानंद साक्षी जी महाराज ने छः लाभार्थियों को आवास की चाभी सौंपी,पाँच लाभार्थियों को शौचालय,पाँच लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिये,सोलह लाभार्थियों को उज्ज्वला योजना के तहत कागज सौंपे,बाल विकास एवं पुष्टाहार मियांगंज परियोजना अधिकारी सर्वेश कुमारी ,मुख्य सेविका अनुराधा के साथ कुपोषित से सुपोषित बच्चों को फल व प्रमाणपत्र दिये दो किसान सम्मान निधि पाने वाले लाभार्थियों को सम्मानित किया,दो अन्नप्रासन बच्चों को सम्मानित करते हुवे कहा देश की मोदी सरकार आपकी खुशहाली की सबसे बड़ी गारन्टी है मोदी सरकार भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए बिना भेदभाव के कार्य कर रही है देश को खुशहाल बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है सन 2025 तक हर घर नल और हर घर गंगाजल पहुँचाने का लक्ष्य है आप सभी से अनुरोध है की मोदी को पुनः आशीर्वाद प्रदान करे । इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नन्दू,ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र सिंह,प्रधान नगमा अंसारी,परियोजना निदेशक कमलेश कुमार,चिकित्सा प्रभारी डॉ नितिन श्रीवास्तव,डॉ दूधनाथ राम,डॉ विकास कुमार सिंह ,वरिष्ठ क्षय रोग पर्वेक्षक राम प्रकाश यादव,बीजेपी नेता महेन्द्र गुप्ता बब्लू,पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र सिंह,प्रधान प्रतिनिधि मो0 ज़फर अंसारी,मण्डल अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह,मण्डल अध्यक्ष अखिलेश तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे वहीं सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी सन्दीप कुमार मिश्रा मय पुलिस बल उपस्थित रहें।

बोरों के गोदाम में लगी आग, 35 लाख का नुकसान

हरदोई। नवीन गल्लमंडी में रेलवे गंज निवासी विपिन गुप्ता की रामधन बाबूराम गुप्ता फर्म व विद्या सागर सुमन कुमार के नाम से आढ़त है। उनकी दुकान में बारदाना भरा था। इसमें करीब दो लाख 70 हजार कट्टी थीं। रविवार सुबह करीब तीन बजे मंडी के चौकीदार ने दुकान में आग लगने की सूचना दी। इस पर वह और परिवार के सदस्यों के साथ पहुंचे। तब तक आसपास के व्यापारी भी आ गए और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। इसी बीच आग तेज हो गई और दुकान से लपटे निकलने लगीं। हादसे की सूचना पर अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की, मगर आग बढ़ती चली गई। उसके बाद अग्निशमन अधिकारी ने दमकल की और गाड़ियों को बुलाया। तीन गाड़ियों के लगे होने के बाद जब आग पर काबू में नहीं आई, तो सवायजपुर, बिलग्राम और संडीला से दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। इनकी मदद से करीब साढ़े 13 घंटे बाद शाम साढ़े चार बजे आग पर काबू पाया जा सका।

35 लाख का हुआ नुकसान

फर्म के प्रोपराइटर विपिन गुप्ता ने बताया कि उन्होंने दुकान को गोदाम के रूप में बना रखा था। इसमें एक लाख 70 हजार बोरे रखे थे। आग से वह सब जल गए। इससे करीब 35 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। गोदाम के पास जल रहे कूड़े से आग लगने की आशंका है।

स्वयं कोतवाली जाकर दी सूचना

विपिन गुप्ता ने बताया कि उनको जब आग की सूचना मिली, तो वह मंडी पहुंचे। आग बुझाने के लिए 112 नंबर पर कॉल की लेकिन वह नहीं लगा। इस पर वह भाग कर मंडी चौकी गए, तो वहां पर सिर्फ एक सुरक्षा कर्मी मिला, उसने कोतवाली जाने के लिए कहा। इस पर वह कोतवाली पहुंचे और सूचना दी। कोतवाली से वायरलेस करने के बाद अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

दो बाइकों की आमने-सामने से हुए तेज रफ्तार से टक्कर

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

काकोरी। काकोरी कोतवाली में देर शाम कस्बा रोड पर तेज रफ्तार अनियंत्रित दो बाइक की आमने सामने भीषण भिड़त हो गई। दो बाइक पर तीन सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर घायल एक युवक को ट्रामा सेंटर भेजा गया। जिसको डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कस्बा के शेखसादी मोहल्ला वार्ड निवासी आयुष कश्यप व विनय लोधी बाइक से निजी काम से दुर्गागंज जा रहे थे। तभी कस्बा रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार पहिया आजम पुर गांव निवासी राज से आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार तीनो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को इलाज के लिए दुर्गागंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टर ने गम्भीर रूप से घायल आयुष को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक आयुष दुबग्गा सब्जी मंडी में काम करता था। परिजनों ने बताया कि आयुष व विनय देर शाम बाइक से किसी काम से निकले थे। मृतक आयुष अविवाहित था। पहिया आजम पुर निवासी घायल राज के पिता मिट्ठू ने बताया कि बेटा राज बिजली का काम करता था। देर शाम घर से कस्बा बड़े भाई की परचून की दुकान का सामान लेने गया था। पुलिस ने बताया कि घायल विनय व राज का इलाज चल रहा है। तीनो बिना हेलमेट बाइक से जा रहे थे।

अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ चला अभियान, 97 हटवाई गईं

हरदोई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर रविवार को शहर भर में होर्डिंग्स हटाओ अभियान चला। सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में 97 होर्डिंग्स हटवाई गईं। होर्डिंग्स लगाने वालों को चेतावनी भी जारी की गई है कि नगर पालिका परिषद की ओर से नियत स्थान पर ही शुल्क जमा कर होर्डिंग्स लगवाएं। दूसरी बार होर्डिंग्स लगी मिलने पर जुर्माना और तीसरी बार पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। सिटी मजिस्ट्रेट प्रशांत तिवारी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद की टीम की ओर से शहर के प्रमुख मार्गों पर अभियान चलाया गया। नगर पालिका की टीम ने डीएम चौराहा से पीडब्ल्यूडी गेस्ट तिराहा से अमर जवान चौक तक लगाई गई होर्डिंग्स और पोल पर लगवाए गए कटआउट को उतरा।

प्रधानमंत्री आवास का नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। नगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का भूमि पूजन अध्यक्ष सुखसागर मिश्र सहित परियोजना अधिकारी डूडा संगीता सिंह तथा अधिशाषी अधिकारी हरदोई ने कराया। नगर के ऊँचा थोक में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के लाभार्थी महेश के यहाँ भूमि पूजन के साथ आवास बनाने की शुरुआत कराई गई। इस अवसर पर डीसी विकास भारद्वाज, अभिषेक श्रीबास्तब, अमन सिंह सर्वेयर विशाल अवस्थी, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चोर दे रहे हसनगंज पुलिस को खुला चुनौती

❖ मकान खाली देख चोरों ने नगद राशि सहित जेवरात किये पार।

❖ पीड़ित ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ शख्त से शख्त कानूनी कार्रवाई करने की थाना प्रभारी से लगाई न्याय की गुहार

द अचीवर टाइम्स, महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। कोतवाली क्षेत्र हसनगंज निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता पुत्र बाबूलाल गुप्ता ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दिनांक 09/12/2023 शाम सात बजे मैं परिवार जनों के साथ मकान का ताला बंद कर घुरघुरी तालाब लखनऊ शादी समारोह में सामिल होने के लिए के लिए गया हुआ था जब बारह बजे हम परिवार जनों के साथ वापस आया और जो ताला बंद था उसको खोलकर अंदर घर में जैसे ही गया तो पीड़ित तथा परिजनों के होश उड़ गये और कमरे में जैसे ही पहुंचा तो देखा की अलमारी खुली पड़ी है और पच्चास हजार रुपए तथा जेवरात जहां रखें थे वहां से अज्ञात चोरों ने पार कर दिये है जैसे ही मोहल्ले के लोगों ने शोर गुल सुना तो पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित से कहा की सुबह प्रार्थना पत्र कोतवाली में देना उसके बाद जांच कर अज्ञात चोरों के ऊपर उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी जबकि पीड़ित विकलांग व्यक्ति हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए बाजार-बाजार जाकर फेरी लगाने का अपना निजी कार्य करता है। अभी कुछ दिन ही व्यतीत हुए हैं जब कस्बे के संतोषी माता मंदिर प्रांगण से रातों-रात घंटा चोरी होना कोतवाली पुलिस के लिए चोरो की खुली चुनौती है अब देखना यह होगा कि अज्ञात चोरों के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है हसनगंज पुलिस।

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में हुआ सुधारः रजनी तिवारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा के ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम में आज माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने अपने विधानसभा क्षेत्र शाहाबाद के विकास खण्ड- शाहाबाद की ग्राम पंचायत- मिठनापुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय के साथ केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के विषय मे सम्वाद किया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। गरीब को अब आयुष्मान के रूप में बहुत बड़ा सहारा प्राप्त हुआ है। माननीय मंत्री के समक्ष विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपनी जुबानी सुनाई। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख श्री त्रिपुरेश मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष श्री देवराज सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री लालाराम राजपूत, जिलाध्यक्ष प्रधान संघ श्री शरद सिंह, प्रधान श्री सुमित सिंह, एसडीएम, सीओ, बीडीओ, प्रभारी चिकित्साधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

श्री बैजनाथ पब्लिक इंटर कॉलेज में बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने को स्कूल में लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

प्रदर्शनी का आरंभ प्रबंधक आमोद कुमार, जिसका उदघाटन लखनऊ बार उपाध्यक्ष विपिन यदाव डायरेक्टर श्रीमती दीपिका प्रधानाचार्या नीतू अवस्थी द्वारा किया गया मां शारदा के चरण कमलों में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर आमोद कुमार ने बच्चों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी कल के वैज्ञानिक बन कर क्षेत्र व स्वजन का नाम रोशन कर सकते है। सभी माडल की जानकारी लेकर उन्होने स्कूल संचालकों के भी साधुवाद दिया। प्रदर्शनी के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने की मुख्य भूमिका विज्ञान अध्यापकों की रही। कक्षा 1से कक्षा 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने इस में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस प्रदर्शनी को पांच भागों में बांट कर इसका आयोजन किया गया। सबसे पहले इस बात पर ध्यान आकर्षित किया गया कि विज्ञान प्रदर्शनी क्यों होनी चाहिए। विद्यार्थियों ने सुंदर एवं शिक्षाप्रद मॉडल बनाकर सभी अभिभावकों शिक्षकों एवं दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। उनके विषय में पूरी जानकारी देने का पूरा प्रयास किया। इस प्रदर्शनी के अंतर्गत प्रदर्शनी मे कुल 657 मॉडल बनाये गए जिसमे गोरखपुर,बस्ती, आजमगढ़, देवीपाटन,फ़ैजाबाद मण्डल के कुल 17 जिलों से 112 दार्शनिक स्थल व 545 विज्ञान के प्रोजेक्ट बनाये गए. कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के छात्र /छात्राओं ने प्रतिभाग किया पालक यादव कक्षा 12 ने राम मन्दिर अयोध्या ,मुस्कान वर्मा ने सम्भावनाथ दिगंबर जैन श्रवस्ती,खुशी राजपूत ने गोविन्द साहब मन्दिर अम्बेडकर नगर शुभ, दिव्यांश, निर्भय, अखंड कक्षा 05 निखिल, सचिन पाण्डेय कक्षा 12 ने चन्द्रयान 3, श्रद्धा, किसान, शिवराज कक्षा 05 ने ड्रोन बनाया क्विज कंपटीशन के माध्यम से अपनी प्रतिभा उजागर की। किसी भी विद्यार्थी, शिक्षक या अभिभावक के द्वारा पूछे जाने पर उसकी पूरी जानकारी उन विद्यार्थियों के द्वारा दी गई। इस प्रदर्शनी के आयोजन में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा श्री बैजनाथ पब्लिक इंटर कॉलेज द्वारा रविवार को विज्ञान दिवस मनाया गया इस वर्ष विज्ञान दिवस की थीम सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण इस अवसर पर विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने वैज्ञानिक कलाओं के द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया। 500 से अधिक छात्र एवं छात्राओं ने प्रतिभाग लिया जिन्हें विद्यालय के प्रबंधक ने विजेताओं को मैडल, शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रमुख आमोद सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति आकर्षित करना होता है। साथ ही विज्ञान को जनसाधारण तक उपलब्ध कराना होता है। उन्होंने कहा की हम सब जानते है कि आज की तारीख में हो रहे विकास विज्ञान के कारण ही संभव हो पाते है। विज्ञान के माध्यम से आज विश्व के सभी नागरिक तकनीक और ऊंचाइयों को हासिल कर सकते है। कार्यक्रम के अंत में ने कार्यक्रम का समापन किया एवं संयोजक ने आमोद कुमार ने सभी लोगों का धन्यवाद् प्रेषित किया। इस अवसर पर विद्यालय संकाय सदस्य व अन्य लोग मौजूद रहे

मोटर ड्राइविंग स्कूल बंद, स्कूलों के प्रमाण पत्र नहीं होंगे मान्य

हरदोई। जिले में संचालित मोटर ड्राइविंग स्कूल से जारी प्रमाण पत्र अब मान्य नहीं होंगे। शासन के निर्देश पर मानक पूरे न करने पर इन स्कूलों को बंद कर दिया गया है। जब तक नया सेंटर शुरू नहीं होता है, वाहन लाइसेंस के लिए आवेदकों को इंतजार करना होगा। मोटर ड्राइविंग स्कूल में चार पहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां से जारी प्रमाण पत्र के आधार पर लाइसेंस जारी होते हैं। जिले में सात मोटर ड्राइविंग स्कूल संचालित थे। शासन की ओर से मोटर ड्राइविंग स्कूल के मानक में संशोधन कर दिया गया। नए ड्राइविंग स्कूल के लिए ऑनलाइन व्यवस्थाएं और संसाधन पूरे करने होंगे। इसके अलावा इनके लिए भूमि के मानक भी बना दिए हैं। मानक से कम भूमि पर स्कूल नहीं बनाएं जा सकेंगे।

डॉक्टरों ने दी सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

इमरजेंसी छोड़कर अन्य सेवाएं बंद करने की घोषणा

संवाददाता

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान के डॉक्टरों ने एसजीपीजीआई के बजाय मेडिकल कॉलेज के बराबर वेतनमान दिए जाने का विरोध करते हुए सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी दी है। चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान में मरीजों के इलाज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां के सभी डॉक्टरों ने एसजीपीजीआई के बजाय मेडिकल कॉलेज के बराबर वेतनमान देने के आदेश के विरोध में संस्थान की सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा देने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही सोमवार से इमरजेंसी को छोड़ बाकी सेवा बंद करने की भी घोषणा कर दी है। कैंसर संस्थान में इस समय 27 नियमित डॉक्टर और 100 से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर हैं। यहां की ओपीडी में रोजाना करीब 200 मरीज आते हैं। बीते दिनों संस्थान के खाली पद भरने की बात हुई है। इसके बाद आठ दिसंबर को विशेष सचिव देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा की ओर से आदेश जारी किया गया। इसमें कैंसर संस्थान के डॉक्टरों को मेडिकल कॉलेज के बराबर सातवां वेतनमान देने की बात कही गई है। डॉक्टर इसी का विरोध जता रहे हैं। फैकल्टी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का दावा है कि पहले पीजीआई के समान वेतनमान देने का वादा किया गया था। अब उन्हें मेडिकल कॉलेज के बराबर लाया जा रहा है। इसके विरोध में डॉक्टरों ने संस्थान में संभाली जाने वाली जिम्मेदारियां छोड़ दी हैं। सोमवार से इमरजेंसी को छोड़ बाकी काम-काज भी बंद रहेगा।

मरीजों का बढ़ जाएगा दर्द

राजधानी में केजीएमयू, लोहिया संस्थान और एसजीपीजीआई में भी कैंसर रोगियों का इलाज होता है, लेकिन यहां लंबी वेटिंग रहती है। ऐसे में कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान बहुत बड़ा सहारा है। यहां भर्ती क्षमता अभी कम है, फिर भी ओपीडी में रोजाना करीब 200 मरीज आते हैं। भर्ती मरीजों में से रोजाना आठ से दस की सर्जरी होती है। ऐसे में यहां के डॉक्टरों के काम बंद करने से मरीजों की परेशानी काफी बढ़ जाएगी, क्योंकि अन्य संस्थानों में पहले से ही इतनी वेटिंग है कि इनका नंबर ही नहीं आ पाएगा। इस स्थिति में निजी अस्पताल जाने के सिवाय कोई चारा नहीं बचेगा। हालांकि, यहां इलाज कराना भी हर किसी के बस की बात नहीं है।

बनना है उत्तर भारत का सबसे बड़ा कैंसर अस्पताल

80 एकड़ में फैले कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी संस्थान को उत्तर भारत के सबसे बड़े कैंसर संस्थान के तौर पर विकसित किया जाना है। यहां डॉक्टरों के 62 नए पदों को शासन से स्वीकृति मिल गई है। अभी यहां डॉक्टरों के 56, सीनियर रेजिडेंट के 69, जूनियर रेजिडेंट के 63 और आउटसोर्सिंग के माध्यम से 217 पद स्वीकृत थे। इस समय संस्थान में डॉक्टरों के 27 पद ही भरे हैं। सीनियर रेजिडेंट व जूनियर रेजिडेंट भी आधी संख्या में ही काम कर रहे हैं। यही वजह है कि 1200 के बजाय संस्थान में सिर्फ 220 बेड पर ही मरीजों की भर्ती हो रही है।

नई भर्ती के लिए है आदेश

निदेशक प्रो. आरके धीमन का कहना है कि कैंसर संस्थान के डॉक्टरों को एसजीपीजीआई के समान छठा वेतनमान मिल रहा है। सातवें वेतनमान के लिए डॉक्टर कोर्ट गए थे। मामला विचाराधीन है, इसलिए इस पर कुछ नहीं किया जा सकता। आठ दिसंबर को जारी हुआ आदेश संस्थान में होने वाली नई भर्तियों के लिए है। इससे उनका लेना-देना नहीं है। डॉक्टरों को यह बात समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों के साथ अन्याय

फैकल्टी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. शरद सिंह का कहना है कि सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों के साथ अन्याय हो रहा है। एसजीपीजीआई के साथ समानता न होने से राष्ट्रीय स्तर की कई सुपर स्पेशलिस्ट फैकल्टी पहले ही संस्थान छोड़ चुकी है। मामला कोर्ट में है तो इस तरह के आदेश के लिए शासन को पत्र क्यों भेजा गया है।

कार्यवाहक निदेशक से अनुरोध है कि यह शासनादेश तत्काल वापस लेने के लिए सरकार को पत्र भेजें।

एक नज़र

आत्महत्या नहीं जेल में हुई थी बंदी विजय और मनोज की हत्या दोनों को जहर देकर फंदे से लटकाया गया

लखनऊ। सुल्तानपुर जेल में मिले शवों के मामले की न्यायिक जांच में नया मोड़ आ गया है। जेल में बंदी विजय और मनोज की हत्या हुई थी, उन्होंने आत्महत्या नहीं की थी। दोनों को जहर देकर फंदे से लटकाया गया था। मामले में जेल प्रशासन को हत्या का जिम्मेदार ठहराया गया है। सुल्तानपुर जिला जेल में दो विचाराधीन बंदियों ने आत्महत्या नहीं की थी बल्कि उनकी हत्या हुई थी। 21 जून को जब शव मिले थे तो जेल प्रशासन ने इसे आत्महत्या बताया था लेकिन उन्हें जहर देकर फंदे से लटका दिया गया था। अपनी न्यायिक जांच रिपोर्ट में तत्कालीन सीजेएम सपना त्रिपाठी ने इसका खुलासा किया है। साथ ही इसके लिए जेल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। जेल अफसरों ने पहले हो चुकी इन मौतों को दो दिन छिपाए भी रखा था। अमर उजाला ने 23 जून के अंक में इसका पर्दाफाश किया था। अमेठी जिले के जामों थाने के चौधरी का पुरवा लोरिकपुर गांव निवासी पोल्ट्री फार्म संचालक ओम प्रकाश यादव (48) की 26 मई 2023 की रात हत्या कर दी गई थी। इस मामले में जामों पुलिस ने करिया उर्फ विजय पासी व मनोज रैदास को 30 मई को गिरफ्तार किया था। इन्हें सुल्तानपुर में अमहट स्थित जिला जेल में बंद किया गया था। 21 जून को दोनों के शव पाए गए थे। तत्कालीन जेल अधीक्षक उमेश सिंह ने दावा किया था कि दोनों ने आत्महत्या की है और उनके शव पेड़ से लटके पाए गए। पोस्टमार्टम के दौरान ही चिकित्सकों ने स्पष्ट कर दिया था कि मौतें करीब दो दिन पहले हुई हैं। घटना की जांच तत्कालीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सपना त्रिपाठी को सौंपी गई थी। जेल स्टाफ, बंदियों और मृतकों के परिजनों आदि 20 साक्षियों से बयान लेने के बाद तत्कालीन सीजेएम ने दो दिसंबर को अपनी रिपोर्ट जिला न्यायाधीश को सौंप दी है। इस मामले को चर्चा में लाने वाले आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा कि न्यायिक जांच से साबित हो गया है कि जेल में हत्या हुई है। इसलिए जेल अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो और उनको बर्खास्त भी किया जाए।

दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

कारागार मुख्यालय को अभी मजिस्ट्रेट की जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने पर जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई दोषी मिला, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।-एसएन साबत, डीजी कारागार

गहन जांच के बाद कार्रवाई

यह प्रकरण अभी मेरे संज्ञान में नहीं आया है। मजिस्ट्रेटी रिपोर्ट में दिए गए तथ्यों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी। जेल प्रशासन की भूमिका की गहन जांच कराई जाएगी। जेल प्रशासन की भूमिका की गहन जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।- धर्मवीर प्रजापति, कारागार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

मांगने पर भी सीजेएम को नहीं दी गई विसरा रिपोर्ट

सुल्तानपुर जिला जेल में दो बंदियों मनोज और विजय की हत्या को छिपाने के लिए जेल के अफसरों ने जमकर मेहनत की। उन्होंने न केवल उसकी मौत का वक्त छिपाया बल्कि अपने झूठे बयानों से भी सीजेएम की जांच को गुमराह करने का प्रयास किया। यहां तक कि मांगने के बावजूद जांच कर रहीं सीजेएम को विसरा रिपोर्ट तक नहीं उपलब्ध कराई गई। इसके बावजूद बयानों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से ही सच सामने आ गया। तत्कालीन सीजेएम सपना त्रिपाठी ने जांच के दौरान पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों का बयान लिया तो उन्होंने साफ कर दिया कि दोनों की मौत 21 जून से पहले ही हो चुकी है। यह भी बताया कि दोनों को मरने से पहले जहर दिया गया था। दोनों के पेट में तरल ही था जिससे पता चलता है कि मौत से 12 घंटे पहले तक उन्होंने कुछ भी खाया-पीया नहीं था। संभवतः उसी हाल में उन्हें फंदे से लटका दिया गया था। दोनों के शरीर पर चोटों के निशान भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पाए गए थे। जेल अफसरों ने दावा किया था कि दोनों ने अवसाद में होने के कारण आत्महत्या की थी लेकिन जांच के दौरान बंदियों ने साफ बताया कि दोनों किसी तरह के अवसाद में नजर नहीं आ रहे थे बल्कि वे हंसी मजाक भी कर रहे थे। यही नहीं बंदियों ने यह भी बताया कि दोनों के पास चादर भी नहीं थी। ऐसे में उन्हें फांसी लगाने के लिए कपड़ा कहां से मिला? जेल अफसर इसका भी जवाब जांच में नहीं दे पाए हैं।

बैरक बदलने की बात भी अफसरों ने छिपाई

जांच में जेल अधीक्षक ने कहा कि बंदीगणों का बैरक नहीं बदला गया था। वह शुरू से ही 19 नंबर अर्थात बच्चा बैरक में थे। किंतु प्रभारी जेलर कविता कुमारी व एक अन्य साक्षी सत्यम सिंह ने सीजेएम को बताया कि मनोज व करिया उर्फ विजय को बच्चा बैरक का कार्ड बनने से पहले बैरक नंबर 12 में रखा गया था। सत्यम सिंह के अनुसार मनोज व करिया ने बताया था कि हमारी ड्यूटी कैंटीन में लगाई गई थी।

बैरक बदलने का लिया जाता है पैसा

जांच के दौरान जेल की एक बड़ी अव्यवस्था भी उजागर हुई है। जांच के दौरान पता चला है कि कैदियों का बैरक बदलने के लिए पैसे भी लिए जाते हैं। रिपोर्ट में सीजेएम ने बाकायदा इसका जिक्र भी किया है।

अभी राज है हत्या का कारण और समय

सीजेएम की विस्तृत जांच के बावजूद यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर उन दोनों की हत्या कब हुई है, क्यों हुई है और किसने की है? इसके लिए अब विधिवत जांच की जरूरत है। हालांकि जांच में कैदियों के बयानों से यह साफ हो गया कि मृत्यु से पहले दोनों किसी तरह के अवसाद में नहीं थे। ऐसे में अपनी मर्जी से आत्महत्या का कोई प्रश्न ही नहीं था। यह बात घटना के बाद मृतकों के परिजनों ने भी कही थी कि वे दोनों आत्महत्या नहीं कर सकते।

सीजेएम ने 20 लोगों से लिए बयान

जांच के दौरान तत्कालीन सीजेएम सपना त्रिपाठी ने पांच बंदी और कैदियों के अलावा तीन हेड वार्डर, दो वार्डर, मृतक मनोज के पिता रंगीलाल रैदास, मां सीतारानी, मृतक करिया पासी के भाई अशोक कुमार, रिश्तेदार रविंद्र विजय, प्रभारी जेलर रीता श्रीवास्तव, कविता कुमारी, उप जेलर दक्षा बानो, पोस्टमार्टम करने वाले दो डॉक्टरों और जेल अधीक्षक उमेश सिंह का बयान दर्ज किया।

2017 में राजनीति में एंट्री

छह साल में ही मायावती के उत्तराधिकारी घोषित, जानें कौन हैं आकाश आनंद

संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में आयोजित पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में आयोजित पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया और अपनी राजनीतिक विरासत सौंप दी। आकाश आनंद अभी तक बैकग्राउंड में रहकर पार्टी के लिए काम कर रहे थे। हाल ही में सम्पन्न हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए उन्होंने राज्य में पद यात्रा भी की थी। उन्होंने 150 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने वाली साढ़े तीन हजार किलोमीटर की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा' की थी। आकाश को युवाओं को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हालांकि मायावती ने आकाश को उन राज्यों में संगठन को मजबूत करने का जिम्मा सौंपा है, जहां पर पार्टी संगठन कमजोर है। यूपी और उत्तराखंड में संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी बसपा सुप्रीमो खुद संभालेंगी।

कौन हैं आकाश आनंद

आकाश आनंद, बसपा सुप्रीमो मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार पुत्र हैं। कहा जा रहा है कि बीते कई विधानसभा और लोकसभा चुनाव में लगातार हार के बाद मायावती नई पीढ़ी को नेतृत्व देने पर विचार कर रही थीं। आकाश को कई चुनावी राज्यों में प्रभारी भी बनाया गया था। आकाश की स्कूली शिक्षा गुरुग्राम से हुई है। उन्होंने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री ली है। वह 2017 से राजनीति में सक्रिय हैं। आकाश आनंद अभी बसपा में नेशनल को-ऑर्डिनेटर के पद पर हैं। वर्ष 2017 में मायावती ने सहारनपुर में आयोजित एक रैली में पहली बार आकाश आनंद को मंच पर अपने साथ बैठाकर पार्टी कैडर को संदेश दिया कि भविष्य में आकाश ही बसपा संगठन में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वहीं, वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में आकाश को स्टार प्रचारक बनाया गया था। साथ ही युवाओं को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी भी सौंपी थी। बीते वर्ष मार्च माह में मायावती ने आकाश को पार्टी का नेशनल कोआर्डिनेटर बनाकर सबको चौंका दिया था। आकाश की शादी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ की पुत्री डॉ. प्रजा से बीते मार्च माह में हुई थी।

पार्टी को सोशल मीडिया पर चमकाया

आकाश आनंद ने पार्टी में मिली जिम्मेदारियों के बाद सबसे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को जरिया बनाकर लोगों के बीच पहुंच बनानी शुरू की। ट्विटर (अब एक्स), फेसबुक आदि माध्यमों के जरिए बसपा सोशल मीडिया पर बाकी दलों की तरह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने लगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के एक्स हैंडल का सारा काम भी आकाश आनंद की निगरानी में होता है।

लोकसभा चुनाव की रणनीति पर बसपा में मंथन आज, शामिल होंगे देश भर के पदाधिकारी

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति पर चर्चा के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती आज लखनऊ में बैठक करेंगी। बैठक में पार्टी के देश भर के पदाधिकारी शामिल होंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चल रही तैयारियों पर रविवार को मंथन करेंगी। लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में देश भर के वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस दौरान मायावती अगले महीने अपने जन्मदिन के आयोजन को लेकर भी निर्देश देंगी। पार्टी प्रवक्ता के मुताबिक बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों और राज्यों के वरिष्ठ नेताओं के साथ हाल ही में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से उपजी चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी तय की जाएगी। वहीं, लोकसभा चुनाव के लिए मजबूत दावेदारी वाले उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा होगी। बता दें विधानसभा चुनाव के नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी बताते हुए बसपा सुप्रीमो ने देश भर के पदाधिकारियों को बैठक में बुलाया है।

धर्म पथ पर लगाए जा रहे सूर्य स्तम्भ

भगवान श्रीराम के सूर्यवंशी होने का होगा प्रतीक

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में बनाए गए धर्म पथ पर लगने वाले सूर्य स्तंभ भगवान श्रीराम के सूर्यवंशी होने की याद दिलाएंगे। धर्म पथ के दोनों तरफ लगने वाले साइन बोर्ड पर रामायण से जुड़ी कलाकृतियों को दर्शाया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही पूरे नगर को भव्य रूप दिया जा रहा है। पूरे नगर का विकास इस तरह से किया जा रहा है कि सब कुछ प्रभु श्रीराम से जुड़ा हुआ प्रतीत हो। नगर में निर्माणाधीन धर्म पथ पर नियमित दूरी पर 40 सूर्य स्तंभ लगाए जा रहे हैं जो कि भगवान श्रीराम के सूर्यवंशी होने की याद दिलाएंगे। अयोध्या के जिलाधिकारी नीतीश कुमार का कहना है कि धर्म पथ के प्रारंभ से अंत तक नियमित दूरी पर सूर्य स्तंभ लगाए जाएंगे। इसके अलावा, धर्म पथ के दोनों तरफ 90 से अधिक बोर्ड लगाए जाएंगे जिन पर रामायण से जुड़े हुए प्रसंगों और कलाकृतियों को दर्शाया जाएगा। वहीं, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माणाधीन राम मंदिर का निरीक्षण किया और कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि सारी व्यवस्थाएं पूरी हो चुकी हैं और भगवान श्रीराम 22 जनवरी को राम मंदिर में अपना स्थान लेंगे।

लोकसभा चुनाव की रणनीति पर बसपा में मंथन आज

शामिल होंगे देश भर के पदाधिकारी

सवांददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति पर चर्चा के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती आज लखनऊ में बैठक करेंगी। बैठक में पार्टी के देश भर के पदाधिकारी शामिल होंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चल रही तैयारियों पर रविवार को मंथन करेंगी। लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में देश भर के वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस दौरान मायावती अगले महीने अपने जन्मदिन के आयोजन को लेकर भी निर्देश देंगी। पार्टी प्रवक्ता के मुताबिक बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों और राज्यों के वरिष्ठ नेताओं के साथ हाल ही में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से उपजी चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी तय की जाएगी। वहीं, लोकसभा चुनाव के लिए मजबूत दावेदारी वाले उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा होगी। बता दें विधानसभा चुनाव के नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी बताते हुए बसपा सुप्रीमो ने देश भर के पदाधिकारियों को बैठक में बुलाया है।

बिल्डरों पर और कसा शिकंजा

अब हर प्रोजेक्ट के लिए तीन खाते अनिवार्य, रेरा के फैसले से ग्राहकों को राहत

संवाददाता

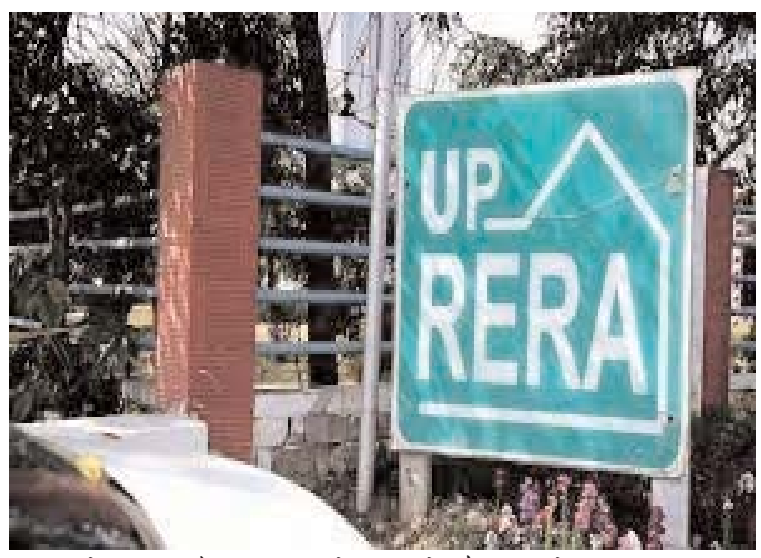

लखनऊ। रेरा ने बिल्डरों पर और शिकंजा कस दिया है। अब हर प्रोजेक्ट के लिए तीन खाते अनिवार्य कर दिए हैं। भू-सम्पदा परियोजनाओं में तीन बैंक खाते अनिवार्य किए गए हैं। नए निर्देशों से ग्राहकों के धन की सुरक्षा होगी और परियोजनाएं समय से पूरी हो सकेंगी। उत्तर प्रदेश रेरा ने रियल इस्टेट प्रोजेक्ट्स बैंक एकाउंट्स दिशा निर्देशों में संशोधन कर नए निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक परियोजना के लिए बिल्डरों को तीन खाते कलेक्शन एकाउंट, सेपरेट एकाउंट और ट्रान्जैक्शन एकाउंट खोलना अनिवार्य कर दिया गया है। नए निर्देशों से ग्राहकों के धन की सुरक्षा होगी और परियोजनाएं समय से पूरी हो सकेंगी। रेरा ने परियोजना के सेपरेट एकाउंट से गारंटीड रिटर्न, ब्याज और अर्थदण्ड का भुगतान करने पर रोक लगा दी है। अब हर परियोजना में आवंटियों से भुगतान लेने के लिए एक 'कलेक्शन एकाउंट' होगा। प्रोमोटर द्वारा परियोजना के विज्ञापनों, आवंटन पत्रों, अनुबन्धों और आवंटियों के साथ पत्राचार में इस एकाउंट को अनिवार्य रूप से दिया जाएगा। प्रोमोटर अपने बैंक को 'स्टैंडिंग निर्देश' देंगे कि 'कलेक्शन एकाउंट' में आवंटियों द्वारा जमा की गयी धनराशि का कम से कम 70 प्रतिशत ऑटो स्वीप के जरिए परियोजना के 'सेपरेट एकाउंट' में ट्रांसफर हो जाए। अधिकतम 30 प्रतिशत धनराशि परियोजना के 'ट्रान्जैक्शन एकाउंट' में ट्रांसफर होगी। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि रेरा के वेब पोर्टल पर परियोजना के तीनों खातों की घोषणा और इन खातों का नियमों के अनुसार संचालन का सख्ती से पालन कराया जाएगा। इस फैसले से परियोजनाएं समय से पूरी होंगी। रेरा इन तीनों खातों के संचालन और मैनेजमेन्ट की कड़ी निगरानी करेगा ताकि प्रोमोटर द्वारा वित्तीय मामलों में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। बैंक खातों से सम्बन्धित निर्देश न मानने पर भारी दण्ड लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि धारा-8 के अन्तर्गत पुनर्वासित की जा रही परियोजना के लिए यूपी रेरा और भी सख्त नियम अपनाएगा।

बिल्डरों के लिए नए निर्देश

-बिल्डर परियोजना के पंजीकरण आवेदन के साथ कलेक्शन एकाउंट, सेपरेट एकाउंट और ट्रान्जैक्शन एकाउंट का ब्योरा रेरा में देगा

-इन खातों के खाताधारक में प्रोमोटर और परियोजना दोनों के नाम होंगे। इनका संचालन प्राधिकृत डायरेक्टर या पार्टनर ही कर सकेगा

-परियोजना के लिए बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ली गई सेक्योर्ड व अन्सेक्योर्ड कर्ज की पूरी धनराशि 'सेपरेट एकाउंट' में जमा करना अनिवार्य होगा

-सेपरेट एकाउण्ट की धनराशि परियोजना की जमीन, परियोजना के निर्माण और विकास कार्यों पर ही खर्च की जा सकेगी

-प्रोमोटर इस खाते से परियोजना के निर्माण को लिए गए बैंक लोन पर सामान्य ब्याज का भुगतान कर सकेगा लेकिन पेनाल्टी, चक्रवृद्धि ब्याज और आवंटियों को ब्याज या मुआवजे का भुगतान नहीं कर सकेगा।

-बैंक सेपरेट एकाउंट से धन निकालने की अनुमति के लिए सीए, इंजीनियर और आर्किटेक्ट के तीन प्रमाण-पत्र ही मान्य करेंगे

-सेपरेट एकाउंट से धन निकालने के लिए चेक, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, डिमांड ड्राफ्ट और बैंक गारंटी पर रोक लगा दी गई है।

सम्पादकीय

विश्व सिनेमा की जादुई दुनियाः ताइवान का सिने इतिहास विश्व सिनेमा की जादुई दुनियाः ताइवान का सिने इतिहास

ताइवान में सिनेमा का आगमन बहुत पहले हो गया था। जापानियों ने यहां सिने-प्रदर्शन किया। शुरू में यहां केवल प्रोपगंडा फिल्में बनीं और दिखाई जा रही थीं। सिनेमा सरकार के नियंत्रण में था और सेंट्रल मोशन पिक्चर कॉरपोरेशन के अंतर्गत बन रहा था।पूर्वी एशिया में ताइवान द्वीप तथा कुछ और द्वीपों के समूह का नाम है, चीनी गणराज्य। यही ताइवान के नाम से भी जाना जाता है। 1949 में चीन के गृहयुद्ध के बाद ताइवान अलग हो गया मगर अभी भी चीन के दबदबे में है। विश्व की एक सबसे बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह अभी तक संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य नहीं है। इसी ताइवान में सिनेमा का आगमन बहुत पहले हो गया था। जापानियों ने यहां सिने-प्रदर्शन किया। शुरू में यहां केवल प्रोपगंडा फिल्में बनीं और दिखाई जा रही थीं। जापानी उपनिवेश कानून के अंतर्गत बीसवीं सदी के साठ-सत्तर के दशक तक ऐसी फिल्में यहां बनती और दिखाई जाती रहीं। सिनेमा सरकार के नियंत्रण में था और सेंट्रल मोशन पिक्चर कॉरपोरेशन के अंतर्गत बन रहा था। सेंसरशिप का कठोर नियंत्रण था। अस्सी के दशक में मार्शल लॉ ढीला हुआ और ताइवान में सिनेमा की नई लहर आई। अब फिल्में ताइवान के लोगों के बदलते नजरिए को दिखाने लगीं। पहली लहर 1982 से 1990 तक चली और दूसरी लहर 1990 से प्रारंभ हो कर अब तक जारी है। इन फिल्मों के कथानक ताइवान के परम्परागत मूल्यों का ह्रास, राष्ट्रवाद का उदय, वास्तविकता, कम्युनिज्म से संघर्ष, मार्शल लॉ के समय में लोगों के अनुभवों पर आधारित होते हैं। एडवर्ड यंग, हो सिआओ-सिएन, वु नेयन-जेन आदि नई लहर सिनेमा के मुख्य निर्देशक रहे हैं।

1994 की फिल्म 'ए बोरोड लाइफ'

वु नेयन-जेन की 1994 की फिल्म 'ए बोरोड लाइफ' एक पारिवारिक गाथा है। इसे निर्देशक ने 1950 के दशक में एक खदान-शहर में स्थापित किया है। पिता-पुत्र के संबंध द्वारा फिल्म पीढ़ियों के नजरिए में आए बदलाव को दिखाती है। वु नेयन-जे चाहते थे कि हो सिआओ-सिएन इस फिल्म का निर्देशन करें। पर वे यह जानते थे कि हो सिआओ-सिएन बहुत व्यस्त हैं। जब उन्होंने यह प्रस्ताव हो सिआओ-सिएन ने सुझाव दिया क्यों नहीं वु नेयन-जेन स्वयं यह कार्य करें, और यही हुआ। स्क्रीनप्ले भी उन्होंने खुद तैयार किया। इस तरह यह फिल्म बनी जिसे सिने-निर्देशक मार्टिन स्कोरसेस अपनी पसंददीदा सूची में रखते हैं।

शुरुआत में ये लोग मिलकर फिल्म बना रहे थे बाद में व्यक्तिगत रूप से फिल्म बनाने लगे।

वान जेन और जेन्ग जुआन्ग सियांग के साथ मिल कर हो सिआओ-सिएन ने 1983 में करीब डेढ़ घंटे की 'द सैंडविच मैन' फिल्म बनाई। यह फिल्म हुआन्ग चुन-मिन्ग की तीन कहानियों का चित्रण है। इसमें आधुनिकरण के दौर में अशिक्षित मजदूर के समक्ष आने वाली चुनौतियां हैं, जापानी वस्तुओं का उपभोक्ताओं पर प्रभाव तथा अमेरिकी सैनिकों का ताइवान जीवन पर असर दिखाया गया है। बोर जेन्ग चेन, यंग ली-यिन, ते-नान लाई आदि ने हास्य, परम्परा की आलोचना आदि को अपने अभिनय से साकार किया है। इसी तरह कई लोगों ने मिल कर 1982 में 106 मिनट की फिल्म 'इन अवर टाइम' बनाई। हो सिआओ-सिएन ने अपने बचपन से प्रेरित होकर 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' बनाई। 138 मिनट की यह फिल्म आह-हा-गु नामक लड़के के कमिंग ऑफ एज की कहानी है। यह एक त्रयी का हिस्सा है। त्रयी का प्रथम भाग 'ए समर एट ग्रैंडपा'ज' 1984 में बना, जबकि तीसरा भाग 'डस्ट इन द विंड' 1986 में बना। 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' (1985) में जब इस लड़के का परिवार मैनलैंड चीन से ताइवान रहने आता है तो परिवार के प्रौढ़ नए परिवेश में समायोजन केलिए संघर्ष करते हैं, परंतु युवक को आगे बढ़ने में दिक्कत नहीं होती है। वह नए वातावरण से शीघ्र समायोजन कर लेता है। पीढ़ियों की समझ का अंतर इसमें स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। प्रौढ़ होने पर यह युवक परिवार तथा परम्परा से दूर होता चला जाता है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई। हो सिआओ-सिएन ने 1998 में 'फ्लॉवर्स ऑफ शांघाई' बनाई। 115 मिनट की यह पीरियड फिल्म उन्नीसवीं सदी के अंत में स्थापित है और शांघाई के 'फ्लॉवर हाउसेस' यानि गणिकाओं के घर की कहानी कहती है। फिल्म रोमांस, जलन, ईर्ष्या, तनाव को परदे पर साकार करती है। यहां तेल-लैम्प की सुनहरी रोशनी है, अफीम की पिनक है, पूरा वातावरण नशीला है। मगर यहां की औरतों को इस स्वर्ण-पिंजड़े में ही रहना है, उन्हें इसके बाहर जाने की इजाजत नहीं है। एक रेगुलर ग्राहक मास्टर वान्ग है जिसका मिस्ट्रेस से लंबा संबंध है, मगर बेवफाई का भय सदा बना हुआ है। यह गुजरे जमाने की क्रूरता दिखाती हुई फिल्म दर्शक को हिला देती है।

1967 की फिल्म 'ड्रैगन इन'

इस सदी की बात करें तो ताइवान में कई अच्छी फिल्में बनी हैं। 1967 में 'ड्रैगन इन' नाम से एक मार्शल आर्ट्स की एक फिल्म बनी थी। मगर मैं बात कर रही हूं 2003 में बनी फिल्म 'गुडबाई, ड्रैगन इन' की। 13 पुरस्कारों से सम्मानित साई मिन्ग-लिआन्ग की यह फिल्म थियेटर को दी गई श्रद्धांजलि है। एक एतिहासिक थियेटर में एक अंधेरी तथा बरसती रात में अंतिम बार 1967 की फिल्म 'ड्रैगन इन' दिखाई जा रही है। बहुत थोड़े से दर्शक आए हैं। फिल्म चल रही है और उसके बीच में थियेटर के विभिन्न कर्मचारियों, उसके संरक्षकों का प्रवेश होता है। दो भूत बीते काल का मर्सिया पढ़ते हैं। यह फिल्म हमारे अपने देश के थियेटर के लिए काफी सटीक बैठती है। फिल्म दिखाती है, एक समय यह थियेटर दर्शकों की भीड़ सम्भाल नहीं पाता था, आज यहां कोई झांकने नहीं आता है। थियेटर बंद होने के कगार पर है। फिल्म नॉस्टेल्जिया का सर्वोत्तम नमूना है। ताइवान की नई लहर के सिनेमा के अग्रणी एडवर्ड यंग अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी गए तो इलैक्ट्रिकल इंजिनियरिंग पढ़ने थे मगर सिनेमा के प्रति खिंचाव ने उन्हें सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी पहुंचा दिया। ऐसा भी समय आया जब उन्हें लगा वे सिनेमा बनाने केलिए नहीं बने हैं। एक रात वे सीटेल में कार चला रहे थे और उन्होंने एक विज्ञापन देखा, विज्ञापान था, 'जर्मन न्यू वेव- अगुरे, द रैथ ऑफ गॉड'। वे सिनेमा थियेटर के भीतर गए और उनका जीवन बदल गया। उन्होंने सिनेमा बनाने की ठान ली। नई लहर के बारे में एडवर्ड यंग कहते हैं यह एक नई दुनिया थी और हम एक-दूसरे को ढ़ेर सारी कहानियां कह सकते थे। एडवर्ड यंग की 2000 की फिल्म 'यी यी' एक साल के समय को समेटती है। इसी एक साल के समय में बात शादी से शुरू होती है और अंतिम संस्कार पर समाप्त होती है। 173 मिनट की इस फिल्म में मुख्य भूमिकाएं वु निएन-जेन, केली ली, जोनाथन चैन्ग ने की हैं। समीक्षकों के अनुसार निर्विवाद रूप से यह गाथा बीसवीं सदी का एक मास्टरपीस है। उनकी फिल्म 1991 की 'ए ब्राइटर समर डे' ने 8 पुरस्कार बटोरे। साई मिंग-लिआंग की 'रेबल्स ऑफ द नियोन गॉड' (1992), चेन यु-सुन की 'ट्रोपिकल फिश' (1995), वांग तुंग की 'स्ट्रावूमन' (1987) तथा चैंग यी की 'कुएइ-मेइ, ए वूमन' (1985), साइ मिंग-लिआंग की 'वाइव ल' अमोर' (1994), कुन-हो चेन की 'ग्रोइंग अप' (1983), वु निएन-जेन की 'ए बोरोड लाइफ' (1994) तथा तैन लाई की 'द पीच ब्लोसम लैंड' ताइवान की कुछ अच्छी फिल्मों के नाम हैं।

ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी!

एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था कि एनिमल फिल्म को तो %एनिमल% भी नहीं देखना चाहेंगे। यह इतनी घटिया फिल्म है। जब फिल्म घटिया है तो कमाई कैसे कर रही है? क्या समाज बदल गया है? क्या समाज को हिंसा अधिक पसंद आती है? हाल में रिलीज फिल्म एनिमल को देखकर तो यही प्रतीत हो रहा है। बेहद हिंसक फिल्म होने के बावजूद %एनिमल% कमाई के नए कीर्तिमान गढ़ने की ओर बढ़ चली है। निश्चित रूप से यह बेहद चिंता का विषय है। आखिर ऐसी फिल्मों को क्यों मनाया जा रहा है? सरकार के अधीन बैठा सेंसर बोर्ड ऐसी फिल्मों को रिलीज करने की अनुमति कैसे दे देता है? क्या फिल्म जगत अनियंत्रित हो गया है?

यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर सामूहिक रूप से समाज को चिंतन और मंथन करने की जरूरत है। ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी।

एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था

एनिमल फिल्म को तो एनिमल भी नहीं देखना चाहेंगे। यह इतनी घटिया फिल्म है। जब फिल्म घटिया है तो कमाई कैसे कर रही है? साफ है कि एक्शन से भरी फिल्मों की ओर भारतीय दर्शक, खासकर युवावर्ग ज्यादा आकर्षित होता है। जब बड़े पर्दे की असफलता का दौर शुरू हुआ तो ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ फिल्म उद्योग बढ़ गया। ओटीटी पर अच्छे कंटेंट के साथ ही घटिया कंटेंट भी परोसा जाने लगा। ओटीटी की अमर्यादित भाषा को लेकर संसद तक में आवाज उठी, लेकिन उस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ओटीटी पर आज भी घटिया भाषा धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रही है। सवाल यह उठता है कि सरकार आखिरकार

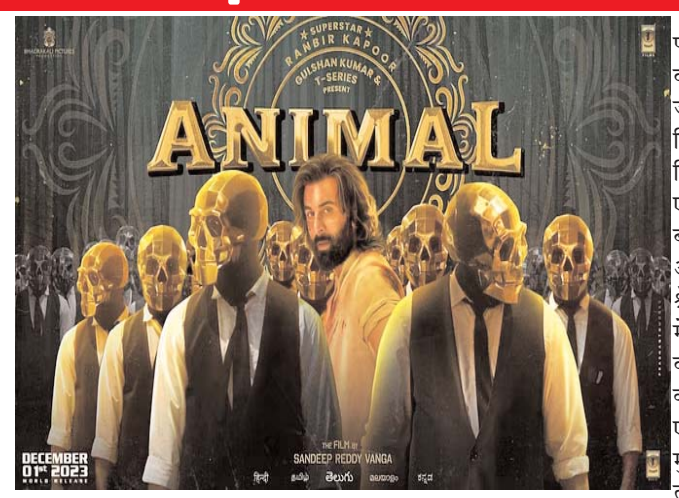

क्या रही है? भारत में हर साल 20 से अधिक भाषाओं में 2000 तक फिल्में बनाई जा रही हैं। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। किसी भी फिल्म को रिलीज से पहले एक प्रमाण पत्र लेना जरूरी होता है। यह प्रमाण पत्र केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड यानी सीबीएफसी देता है, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड कहते हैं। सेंसर बोर्ड केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन आता है। फिल्मों को यू, यू/ए, ए और एस प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। यू प्रमाण पत्र की फिल्में परिवार के साथ मिलकर सभी वर्ग के लोग देख सकते हैं। यू/ए प्रमाण पत्र की फिल्म विशेष रूप से 12 साल की उम्र से अधिक के बच्चों और वयस्कों के लिए होती है। ए प्रमाण पत्र की फिल्म केवल वयस्कों के लिए होती है, जबकि एस प्रमाण पत्र की फिल्म डॉक्टर, वकील जैसे विशेष वर्ग के लिए होती है। एनिमल फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए प्रमाण पत्र दिया है और इसे क्राइम/एक्शन की श्रेणी में रखा गया है। फिल्म में हिंसा को देखकर दर्शक व्यथित हैं। संसद में कांग्रेस की सांसद रंजीत रंजन ने एनिमल फिल्म को लेकर मुद्दा खड़ा किया। उन्होंने यहां तक कहा कि उनकी बेटी इस फिल्म को बीच में छोड़कर आ गई और फिल्म देखकर रोने लगी। हालांकि, रंजीत रंजन को बाकी सांसदों का कोई खास समर्थन नहीं मिला, जो बेहद चिंता का विषय है। यह सर्वविदित है कि युवा वर्ग फिल्मों के किरदारों से प्रेरित होता है।

हिंसक फिल्में समाज के लिए घातक

यदि ऐसी हिंसक फिल्में, जिसमें मुख्य किरदार ही हिंसक गतिविधियों में शामिल है तो युवा वर्ग किस दिशा में जाएगा? कई साल पहले खलनायक नामक फिल्म आई थी। युवा खुद को खलनायक जैसा बनने पर उतारू हो गए थे। डर और अंजाम जैसी फिल्मों ने एकतरफा प्यार व बदला लेने की भावना को काफी बढ़ावा दिया। ओटीटी पर क्राइम के आइडिया परोसे जा रहे हैं। पुलिस को आए दिन ऐसे क्राइम के मामले मिलते हैं, जो ओटीटी की स्टोरी से प्रेरित होते हैं। फिल्मों में रचनात्मक प्रयोग अवश्य होने चाहिए, लेकिन एनिमल जैसे प्रयोग से फिल्म जगत को बचना चाहिए। समाज को सामूहिक रूप से ऐसी फिल्मों का विरोध दर्ज कराना चाहिए। फिल्मों में हिंसा एक हद तक जायज ठहराई जा सकती है। यदि एनिमल जैसी फिल्में बनती रहीं तो समाज में %एनिमल% जैसा व्यवहार करने वाले युवाओं को पनपने में देर नहीं लगेगी।

चुनाव के ढंग बदल रहे हैं, अब अंतिम दौर की कवायद पर टिका सब कुछ

चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। चुनाव चाहे कोई भी हो, लेकिन खासकर राज्य विधानसभा चुनावों के बाद शोर-शराबा होता ही है। जिन्हें जीत मिली, वे जश्न मनाते हैं और हारने वाले राजनीतिक दलों के समर्थक आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलते हैं। लेकिन चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद जो शांति दिख रही है, वह सामान्य नहीं है। अगर यह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के परिपक्व व्यवहार का प्रमाण है तो हम इसका स्वागत कर सकते हैं। लेकिन अगर इसकी वजह कांग्रेस की उदासीनता है तो यह चिंता का विषय है। चलिए, शुरुआत करते हैं मेरे एक गलत अनुमान से। मैंने लिखा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आ रही है, लेकिन मैं गलत था। कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था। कई लोगों से बातचीत के आधार

	भाजपा मत पड़े/प्रतिशत		कांग्रेस मत पड़े/प्रतिशत	
छत्तीसगढ़	72,34,968	46.27	66,02,586	42.23
मध्य प्रदेश	2,11,13,278	48.55	1,75,64,353	40.40
राजस्थान	1,65,23,568	41.69	1,56,66,731	39.53
तेलंगाना*	32,57,511	13.90	92,35,792	39.40

(*बीआरएस ने 37.35 प्रतिशत की बढ़त हासिल की)

पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी।

अप्रत्याशित नहीं

हालांकि आपको याद होगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के संबंध में कांग्रेस के दावों को मैंने स्वीकार नहीं किया था। राजस्थान में गहलोत सरकार ने अच्छा काम किया था, लेकिन सत्ता विरोधी लहर उनके गले की फांस बन गई। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला-बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं। भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया। जबकि भाजपा ने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों, मौजूदा सांसदों सहित कद्दावर नेताओं का जमावड़ा एकत्र किया। समय व संसाधनों के भारी निवेश ने स्वाभाविक ही नतीजों को भाजपा के पक्ष में झुका दिया। तेलंगाना में जरूर मैंने बीआरएस सरकार के खिलाफ एक ग्रामीण लहर को महसूस किया था और किसी चमत्कार के होने की संभावना भी जाहिर की थी। के चंद्रशेखर राव को पृथक तेलंगाना राज्य हासिल करने और वहां रायथु बंधु जैसी लाभकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय जाता है, जिनमें किसानों को धन हस्तांतरित किया गया। लेकिन सत्ता का एक ही परिवार में सिमटना, भ्रष्टाचार के आरोप, हैदराबाद केंद्रित विकास, मुख्यमंत्री की खुद को अलग-थलग रखने वाली शख्सियत और चरम बेरोजगारी ने सरकार के खिलाफ एक लहर पैदा की, जिस पर सवार रेवंत रेड्डी ने एक आक्रामक अभियान चलाया और कांग्रेस को जीत दिलाई।

अंतर कम रहा

तीन हिंदी भाषी राज्यों में हार मिलने के बावजूद कांग्रेस का वोट शेयर बरकरार रहा। आंकड़े खुद ही बोलते हैं। अच्छी बात यह है कि द्विध्रुवीय प्रतिस्पर्द्धी राजनीति अभी जिंदा है। कांग्रेस का वोट शेयर चारों राज्यों में 40 फीसदी यानी करीब 2018 जितना ही रहा, जो चुनावी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दूसरी ओर, भाजपा को चारों राज्यों में वोट शेयर में बढ़त मिली और उसने चारों राजधानियों और शहरी क्षेत्रों की ज्यादातर सीटें जीत लीं। मध्य प्रदेश को छोड़ कर बाकी जगहों पर वोट शेयर में अंतर काफी कम है। छत्तीसगढ़ में 4.04 फीसदी का अंतर आदिवासी वोटों के शिफ्ट होने की वजह से हुआ। यहां अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 भाजपा और 11 कांग्रेस ने जीतीं। राजस्थान में 2.16 फीसदी का अंतर तो और भी कम था।

चुनाव बदल गए हैं

वोट शेयर में जो अंतर रहे, उन्हें समझने के लिए चुनावों की बदलती प्रकृति को समझना जरूरी है। चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, रैलियों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। इन सभी का महत्व है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। इसके लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में समय, ऊर्जा और पैसे के भारी निवेश की जरूरत होती है, जो इस बार भाजपा ने कामयाबी के साथ किया। 2024 के लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ने के साथ हवा का रुख भाजपा के साथ दिखता है। कम से कम हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा मतदाताओं का ज्यादा से ज्यादा ध्रुवीकरण करते हुए हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने की कोशिश करेगी। इससे संघवाद, धर्मनिरपेक्षता, संस्थागत स्वतंत्रता, व्यक्ति व मीडिया की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, निजता और डर से स्वतंत्रता जैसी धारणाओं को नुकसान पहुंच सकता है। यह जरूरी है कि भारतीय लोग अपनी सरकार खुद चुनें, लेकिन लोकतंत्र के बाकी स्तंभों को बचाना भी उतना ही जरूरी है।

हर महीने क्यों घटता-बढ़ता है चंद्रमा, क्या है क्रोधित दक्ष के शाप की कहानी

क्रोधित दक्ष ने चंद्रमा को शाप दिया कि तुम्हें अपने रंग-रूप और तेज पर बहुत अभिमान है। मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम क्षय रोग से ग्रस्त हो जाओगे तथा तुम्हारा तेज एवं रूप नष्ट हो जाएगा। दक्ष प्रजापति की बहुत-सी कन्याएं थीं। एक दिन चंद्रमा भ्रमण करते हुए निकला तो उसकी दृष्टि दक्ष की पुत्रियों पर पड़ गई। उन सब में रोहिणी सबसे सुंदर थी। रोहिणी को देखते ही चंद्रमा उस पर आसक्त हो गया। चंद्रमा के तेज एवं सौंदर्य से प्रभावित होकर रोहिणी समेत दक्ष की अन्य छब्बीस पुत्रियों का मन भी चंद्रमा पर आ गया। वे सब चंद्रदेव से विवाह करने की इच्छुक हो गईं। यह जानकर चंद्रमा ने दक्ष के सामने सभी सत्ताईस कन्याओं से विवाह करने का प्रस्ताव रख दिया। दक्ष ने चंद्रमा का प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार करते हुए सभी कन्याओं का विवाह चंद्रमा से कर दिया। चंद्रमा ने दक्ष की पुत्रियों से विवाह तो कर लिया किंतु वह सबसे अधिक प्रेम रोहिणी से करता था। इस कारण चंद्रमा की शेष छब्बीस पत्नियां उपेक्षित महसूस करने लगीं। यह उपेक्षा धीरे-धीरे ईर्ष्या में बदल गई। फिर एक दिन उन्होंने चंद्रमा की शिकायत अपने पिता से कर दी। दक्ष ने सुना तो उन्होंने चंद्रमा से मिलकर उसे समझाया और पक्षपात न करने का तथा सभी पत्नियों को समान रूप से प्रेम करने का सुझाव दिया। चंद्रमा ने धैर्य से दक्ष की बातें सुनीं परंतु फिर भी रोहिणी के प्रति उसका स्नेह कम नहीं हुआ। कुछ दिन बाद दक्ष को पता लगा कि चंद्रमा ने उनकी अवहेलना की है तो वह क्रोधित हो उठे और उन्होंने चंद्रमा को शाप दे दिया-'तुम्हें अपने रंग-रूप और तेज पर बहुत अभिमान है और तुमने मेरी अवहेलना की है इसलिए मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम क्षय रोग से ग्रस्त हो जाओगे तथा तुम्हारा तेज एवं रूप नष्ट हो जाएगा!' दक्ष के शाप का चंद्रमा पर तुरंत प्रभाव हुआ और उसे क्षय रोग हो गया। उस रोग के कारण चंद्रमा का तेज घटता चला गया और अंत में पूरी तरह समाप्त हो गया। अब चंद्रमा के पास न प्रकाश रहा और न ही पहले-सा सौंदर्य! चंद्रमा को मिले इस शाप का प्रभाव संपूर्ण सृष्टि पर भी पड़ने लगा क्योंकि चंद्रमा के प्रकाश के अभाव में पृथ्वी रात्रि के समय अंधकार में डूब गई और काल-गणना भी गड़बड़ाने लगी। सृष्टि के नियमों में उथल-पुथल हुई तो परेशान होकर सभी देवता, चंद्रमा को साथ लेकर भगवान ब्रह्मा के पास पहुंचे और उन्होंने ब्रह्मा से इस समस्या का उपाय पूछा। ब्रह्मा ने कहा कि चंद्रमा को शाप से मुक्ति दिलाने का सामर्थ्य केवल भगवान शिव के पास है। इसलिए उन्होंने चंद्रमा को शिवलिंग स्थापित करने और शिव की उपासना का सुझाव दिया... यह सुनकर चंद्रमा के मन में पुनः स्वस्थ होने की आशा जग गई और उसने पश्चिमी समुद्र के तट पर एक शिवलिंग का निर्माण किया और वहीं बैठकर शिव के नाम का जाप आरंभ कर दिया। काफी समय बीत गया। आखिर एक दिन चंद्रमा की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने चंद्रमा को दर्शन दिए। शिव ने चंद्रमा की इच्छा पूछी तो चंद्रमा ने शिव से वरदान में अपना तेज और सौंदर्य वापस माँग लिया। यह सुनकर शिव दुविधा में पड़ गए। वह बोले, 'मैं प्रजापति दक्ष के शाप को समाप्त तो नहीं कर सकता किंतु उसे संशोधित अवश्य कर सकता हूं। तुम पर दक्ष के शाप का प्रभाव तो होगा किंतु वह प्रभाव स्थायी नहीं होगा। इसलिए तुम्हारी आभा पूर्ण लुप्त होने के बाद अगले दिन से ही फिर बढ़ने लगेगी। तुम पंद्रह दिनों में फिर से दीप्तिमान हो जाओगे। परंतु अगले पंद्रह दिन तक फिर शाप के असर से तुम्हारा तेज घटना शुरू हो जाएगा। इस प्रकार तुम्हारा यह तेज घटता-बढ़ता रहेगा और इसी से माह के शुक्ल और कृष्ण पक्ष बनेंगे। दक्ष से तुम्हारी रक्षा के लिए मैं तुम्हें अपने मस्तक पर धारण करूंगा!' चंद्रमा को अपने शीष पर धारण करने के कारण शिव का नाम 'चंद्रशेखर' पड़ा। चंद्रमा का एक नाम 'सोम' है इसलिए जिस स्थान पर उसने शिव की आराधना की थी, उसे भी पवित्र नाम मिला ङ्क सोमनाथ। देश के बारह ज्योर्तिलिंगों में इसकी गिनती होती है।

केंद्रीय मंत्री ने बडखेरवा में रखी पीएम आवास की आधारशिला, किया भूमि पूजन

❖ लखीमपुर में 1251 लाभार्थियों को मिला पीएम आवास का लाभ, रखी गई आधारशिला

❖केंद्रीय मंत्री ने विधायक संग लाभार्थियों को बांटे आवास स्वीकृति पत्र

❖आवास मिलने पर लाभार्थियों ने जाहिर की खुशियां, पीएम को बोले शुक्रिया।

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। गरीबों और वंचितों को अपना घर मुहैया कराने के लिए प्रदेश सरकार 08 से 10 दिसम्बर के बीच खीरी के तीन हजार पांच सौ पीएम आवासों का भूमि पूजन करने जा रही है। यह भूमि पूजन अभियान 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के अंतर्गत चलाया गया। इस कड़ी में शनिवार को नगरीय क्षेत्र लखीमपुर में 1251 परिवारों के चेहरे पर उस समय चमक आ गई। जब उन्हें केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी और विधायक सदर योगेश वर्मा के हाथो से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला। शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पीएम आवास योजना (शहरी) के लिए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र ÷टेनी÷ ने विधायक सदर योगेश वर्मा, एडीएम संजय सिंह के साथ लाभार्थी आलोक कुमार के प्लाट पर पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन कर भूमि पूजन किया। नगर पालिका परिषद लखीमपुर के मोहल्ला बरखेरवा में यह कार्यक्रम हुआ। इसमें 85 आवास वार्ड बरखेरवा के भी शामिल है। इस मौके पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने बरखेरवा वार्ड के सभी लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र प्रदान किए। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा कि पीएम आवास योजना (शहरी) लाभार्थियों को निशुल्क में घर दिया जा रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार समाज के हर तबके के लिए कार्य कर रही है। उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। पीएम मोदी का सपना है कि हर व्यक्ति के पास अपना घर हो। हर व्यक्ति की भी यही कामना होती है कि उसके पास अपना घर, उसमें बिजली पानी, रसोई गैस, राशन कार्ड, स्वास्थ्य बीमा आदि की सुविधा हो। आजादी के बाद पहली बार डबल इंजन की सरकार ऐसी सभी योजनाओं का लाभ दे रही है। संवाद के दौरान लाभार्थियों ने आवास मिलने पर खुशी जाहिर कर पीएम नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा। एडीएम संजय कुमार सिंह ने कहा कि पीएम आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत ऐसे लाभार्थियों को आवास दिए जाने का प्राविधान है, जिसके पास अपना स्वयं का पक्का मकान न हो। इस योजना के तहत कुल 2.50 लाख रुपये अनुदान के रूप में दिया जाता है। यह योजना निशुल्क है। पीओ डूडा डॉ अजय सिंह ने बताया यदि किसी बिचौलिये की ओर से इस योजना में किसी भी प्रकार का प्रलोभन या धनराशि की मांग की जाती है तो संबंधित लाभार्थी इसकी शिकायत डूडा कार्यालय में कर सकता है। इस मौके पर डीसीबी अध्यक्ष विनीत मनार, सांसद प्रतिनिधि अरविंद संजय, अंबरीश सिंह, जीतेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।

गांव-गांव में किसान भाईयों को सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत करें - रमेश चन्द्र मिश्रा

किसानों को मजबूत करना ही संघ का उद्देश्य - रमेश चन्द्र मिश्रा

❖ भारतीय किसान संघ द्वारा गांव गांव चलाया सदस्यता अभियान, सदस्यता ग्रहण कर किसानों से एकजुट होने की अपील।

लखीमपुर-खीरी। भारतीय किसान संघ द्वारा गांव गांव चलाया सदस्यता अभियान, सदस्यता ग्रहण कर किसानों से एकजुट होने की अपील **लखीमपुर-खीरी।** भारतीय किसान संघ सदस्यता अभियान के तहत देश के करोड़ों किसानों को संघ के साथ जोड़ा जा रहा है इसी क्रम में जनपद खीरी में 50 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया संगठन का सदस्य बनने के लिए दस रुपये सदस्यता शुल्क निर्धारित किया हे।

-आगे की खबर सेष नीचे है

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बच्चों को पिलाई पोलियो ड्रॉप।

संवाददाता

बांकेगंज खीरी। पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम केअंतर्गत बांकेगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई रविवार को बांकेगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बांकेगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव कौशल ने पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अपने हाथों से बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई वही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सीएचसी अधीक्षक अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में 9 दिसंबर शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय बच्चों के द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए एवं पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रैली निकाली गई सीएचसी अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया पल्स पोलियो कार्यक्रम सी एच सी के अंतर्गत आने वाले सभी बूथो पर आज से छः दिन तक जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी बांकेगंज मंडल अध्यक्ष राजीव कौशल सीएचसी अधीक्षक अमित कुमार सिंह डॉक्टर धनंजय यादव चीफ फार्मासिस्ट डीके चौधरी एवं स्टाफ नर्स सहित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

एक नज़र

युवा शक्ति के साथ हुआ कल, आज और कल - राज्य स्तरीय संवाद

- यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में केयरलीवर्स के साथ हुआ कार्यशाला का आयोजन।

- 18 वर्ष से अधिक आयु के केयरलीवर्स ने साझा किये अपने अनुभव व चुनौतियां

सीतापुर। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में विगत वर्षो में प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाओं से पाश्चातवर्ती देखरेख में गये 18 वर्ष से अधिक आयु के किशोर-किशोरियों के साथ उनके पुर्नावासन को सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किये जाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय संवाद का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश की पाश्चातवर्ती देखरेख (ऑफटर केयर) संस्थाओं सहित, बाल देखरेख संस्थाओं से निकलकर समाज की मुख्यधारा में शामिल किये गये केयरलीवर्स के संरक्षण एवं पुर्नवास तथा युवा शक्ति के भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु कल, आज और कल पर समर्पित यह संवाद युवाओं के अनुभवों और चुनौतियों पर आधारित थी। केयरलीवर्स द्वारा संवाद के दौरान यह निर्णय लिया गया कि विभाग के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में केयरलीवर्स को आवश्यक समर्थन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा शक्ति को एकजुट किया जायेगा, जिसके अंतर्गत प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाओं से निकलने वाले समस्त किशोर-किशारियों को शामिल किया जायेगा। इस संवाद के माध्यम से सभी किशोर-किशोरियों द्वारा अपने भविष्य के निर्माण हेतु एक साथ बैठक कर चर्चा की गई। इसी क्रम में दूसरी कार्यशाला दिनांक 23 दिसंबर 2023 को आयोजित की जायेगी जहाँ यह केयरलीवर्स अपनी देखभाल सेवाओं के प्रबंधन हेतु आवश्यक सुझाव रखेंगें। साथ ही पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) में आने से पूर्व, दौरान और पश्चात की जाने वाली कार्यवाही पर विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया के निर्माण हेतु अपने विचार प्रस्तुत करेंगें। संवाद के दौरान उपनिदेशक महिला कल्याण पुनीत कुमार मिश्रा ने कहा कि आने वाले वर्ष में हम बाल देखरेख संस्थाओं से समाज की मुख्यधारा की ओर अग्रसर होने वाले इन युवाओं को हर संभव समर्थन प्रदान करने के लिये योजना तैयार कर रहे हैं। इन युवाओं को जीवन कौशल में निपुण बनाने के साथ-साथ उनका कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोडना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत पश्चातवर्ती देखरेख में पूर्व से शामिल किशोर-किशोरियों के पुर्नवास तथा कल्याण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिनमें किशोर-किशोरियों के आवश्यकताओं व बुनियादी जरूरतों को पूरा करने हेतु प्रति किशोर प्रति माह 4,000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रावधान शामिल हैं। यूनिसेफ के बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि हर वर्ष बाल देखरेख संस्थाओं से सैंकड़ों बच्चे 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरांत गृहों को छोड़कर या तो समाज की मुख्यधारा में शामिल होते है या विभाग द्वारा संचालित पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) संस्थाओं में आवासित कराये जाते हैं तथा अधिकतम 23 वर्ष की आयु के उपरांत पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) गृह को छोडकर समाज में प्रवेश करते हैं। कतिपय इन युवाओं को जीवन में संघर्ष और समाज की मुख्यधारा में समायोजित होने हेतु विभिन्न चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता हैं। इन युवा शक्तियों का समर्थन और सशक्तिकरण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में उपस्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डीआर साहु ने कहा कि उपस्थित किशोर-किशोरियों के कल में जरूर जोखिम रहें होंगें पर सभी को अपने आज पर काम करते हुये अपने भविष्य को संवारने हेतु अग्रसर होना होगा। केयरलीवर्स को यदि किसी प्रकार के मार्गदर्शन की आवश्यकता हो तो विश्वविद्यालय पूरी तरह से आपके साथ है। किशोर न्याय (बालकों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 (संशोधित 2021), की धारा 2(5), धारा 46 और नियमावली के नियम 25 के प्रावधान संस्थागत देखरेख में रहने वाले बच्चों को पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) की सुविधा प्रदान करते है, उक्त धारायें व नियम यह अनिवार्य बनाते हैं कि ''किसी बच्चे के 18 वर्ष पूरा करने और ऐसी स्थिति में बाल देखरेख संस्था छोड़ने पर उसे निर्धारित तरीके से समाज की मुख्यधारा में पुनः एकीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है''। पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) उन सभी युवाओं/किशोर-किशोरियों हेतु है, जो अपने बचपन के दौरान किसी भी प्रकार की वैकल्पिक देखभाल अर्थात बाल देखरेख गृह में पले-बढ़े हैं और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर उन्हें वह गृह छोड़ना पड़ता हो। देखरेख गृह छोड़, स्वतंत्र जीवन जीने की ओर बढ़ना युवाओं हेतु विभिन्न चुनौतियों के साथ-साथ अवसर प्रदान करने वाला बदलाव है क्योंकि वे अनदेखी परिस्थितियों और भावनात्मक परिवर्तनों से गुजरते हैं। यह बदलाव की स्थिति एक संवेदनशील अवधि है क्योंकि यदि इस समय युवाओं को आवश्यक समर्थन नही मिला तो उनके लिए उपलब्ध अवसर उनसे छूट सकते हैं। विभाग द्वारा वर्तमान में लखनऊ में किशोरों हेतु लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर में किशोरियों हेतु 4 पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) के अंतर्गत 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को बाल देखरेख संस्था छोड़ने पर उनकी शिक्षा जारी रखने हेतु समर्थन के साथ-साथ, रोजगार योग्य कौशल और प्लेसमेंट, उधोग शिक्षुता, व्यवसाय शुरू करने हेतु ऋण सहायता व समाज की मुख्यधारा में उनके पुनः एकीकरण तथा उन्हें रहने का स्थान प्रदान करने के प्रावधान है। सवांद के दौरान पश्चातवर्ती देखरेख में शामिल लगभग 50 युवा शक्तियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी यूनिसेफ दिनेश कुमार सहित विभाग की ओर से लखनऊ मंडल के उपनिदेशक प्रवीण कुमार त्रिपाठी, राज्य सलाहाकर प्रीतेश कुमार तिवारी व नीरज मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह और मंडलीय तकनीकी रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार उपस्थित रहे।

शिक्षित होने के साथ ज्ञानवान होना महत्वपूर्णः सीएम योगी

❖ परिश्रम और पुरुषार्थ का कोई विकल्प नहीं - मुख्यमंत्री।

❖ कृतज्ञता के भाव से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा - मुख्यमंत्री।

❖ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर बोले मुख्यमंत्री।

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि शिक्षा प्राप्त करना केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। पुस्तकीय ज्ञान से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त की जा सकती है। पर, जीवन में विजेता बनने के लिए शिक्षित होने के साथ ज्ञानवान होना महत्वपूर्ण है। ज्ञान, शिक्षण संस्थानों में संवाद के वातावरण और अनुभव से अर्जित होता है। सीएम योगी रविवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण व मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए परिश्रम और पुरुषार्थ का कोई विकल्प नहीं होता है। उद्देश्य के अनुरूप प्रतिबद्ध होकर समय सीमा में कार्य करते हुए आगे बढ़ने पर लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महान कवि रामधारी सिंह दिनकर की रचना, वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखण्ड-विजेता कौन हुआ, अतुलित यश क्रेता कौन हुआ, नव-धर्म प्रणेता कौन हुआ, जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रहकर नाम किया का उद्धरण देकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य रखते हुए परिश्रम करेंगे तो सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1932 में जब युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की तब उनका संकल्प था कि देश को गुलामी से मुक्ति मिलने के बाद कैसे नागरिक मिलने चाहिए। उसी संकल्प पर चलते हुए आज यह परिषद चार दर्जन संस्थाओं के माध्यम से निरंतर शिक्षा और सेवा के प्रकल्पों को आगे बढ़ा रही है। सीएम योगी ने कहा कि जीवन में कृतज्ञता का भाव सदैव बने रहना चाहिए। कृतज्ञता का भाव सकरात्मकता से आगे बढ़ने को प्रेरित करता है। इसको और स्पष्ट करने के लिए उन्होंने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के अपने गुरु के प्रति प्रकट किए गए भाव के क्रियात्मक पक्ष का स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी के गुरु को अंग्रेज सरकार ने आजादी के आंदोलन में भाग लेने के कारण शिक्षक की नौकरी से निकाल दिया। तब गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने लिए महंत दिग्विजयनाथ जी ने एक स्कूल खोला और गुरु को प्रधानाचार्य बना दिया। यही स्कूल महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आधारशिला बना। संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण व उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की उत्कृष्ट संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर जगदम्बा लाल द्वारा लिखित पुस्तक %पूर्वोत्तर के प्रहरी-नागालैंड% का विमोचन भी किया गया। संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में स्वागत संबोधन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो यूपी सिंह ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, विधायक श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह आदि की प्रमुख सहभागिता रही।

घर मे कई वर्षों से संचालित हो रहा अवैध अस्पताल

संवाददाता

थानगांव (सीतापुर)विकास क्षेत्र रेउसा के मारूबेहड़ की सोनू पांडे के यंहा घर मे कई वर्षों से अबैध तरीके क्लीनिक संचालित हो रहा था।जंहा घर मे ही महिलाओ की सफाई,डिलेवरी,लिगल अनलीगल एबॉर्शन का कार्य किया जाता था।गत दिनों लगातार लापरवाही से जच्चा,बच्चा,की मौते भी हुई।राजापुर में मधु सिंह की जच्चा,बच्चा की मौत हो गई,मारूबेहड़ कस्बा निवासी तोययब की पत्नी की मौत लापरवाही से सोनू के यंहा हुई।इसके पहले मेरठ के सब्जी उगाने वालो की एक महिला की मौत हुई,गवलोक कोंडर की कई प्रसूताओं की मौते हुई।अनवरत सोनू पांडे के यंहा हुई मौते, मारूबेहड़ सोशल से लेकर अखबारों की सुर्खियों में छा गया।सुर्खियां बनने बाद विभागीय जिम्मेदारों संज्ञान लिया गत दिनों 28नवम्बर को छापेमारी गहनता से स्वास्थ्य टीम चप्पे2पर की छापेमारी दौरान काफ़ी अबैध मेंसो प्राट, सिरपे, जंग लगे एबॉर्शन औजार,विना रजिस्ट्रेशन के क्लीनिक चलते पाया गया।नोटिस चस्पा कर बन्द करने के आदेश देकर जवाब तलब,किया गया था,फिर से डिलेवरी,एबॉर्शन,लिगल अनलीगल पेसेंटो साथ खिलवाड़ जारी है।आज तकरीबन 15दिन के ऊपर समय बीत जाने बाद कोई प्रभावी,ठोस कार्यवाही,न होना जिम्मेदारों पर सवालिया निशान लग रहे।इतनी दवाएं,औजार सबकुछ मिलने पर भी,कटघरे में खड़ा करता।बच्चो के सिर से मां का साया उठता जा रहा,लोग विधुर होते जा रहे। वही सीएचसी प्रभारी अंनत मिश्र ने बताया विना रजिस्ट्रेशन के क्लीनिक चालू था,दवाएं,औजार भी मिले थे,नोटिस का जवाब मांगा गया,बन्द करने को भी कहा गया था,अगर ऐसा है तो गलत है कार्यवाही जारी।कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

जिले में अभियान के अंतर्गत साढ़े सात लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिला महिला अस्पताल में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का मुख्य विकास अधिकारी अनिल सिंह द्वारा शुभारम्भ किया गया।? उन्होंने बच्चों को दो बूंद पोलियो की दवा पिलाई। इस दौरान उनके साथ सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, प्रभारी सीएमएस जिला महिला चिकित्सालय डॉ राजीव अग्रवाल, एसीएमओ डॉ अनिल गुप्ता, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रमोद वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सीडीओ अनिल सिंह ने कहा कि पोलियो की दो बूंद बच्चों के लिए बेहद जरूरी है यह उन्हें लाचारी होने से बचाती है इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार बेहद गंभीर है सभी को बढ़-चढ़कर इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रमोद वर्मा ने कहा कि जिलेभर में पल्स पोलियो अभियान सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता के नेतृत्व में चलाया जा रहा है यह अभियान 10 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा और उसके बाद 11 से 15 तक डोर टू डोर चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस अभियान के अंतर्गत साढ़े सात लाख बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें हाउस टू हाउस 1356 टीम हैं। वहीं 1912 बूथ टीम को लगाया गया है। 112 ट्रांजिटटीम, 71 मोबाइल टीम गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ सहित चाई संस्था द्वारा लगातार इस अभियान की मॉनीटरिंग कर शासन को इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

पलिया बना चैंपियन, लखीमपुर को उपविजेता का खिताब

❖ बनीकोडर ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत भानपुर कनवा ताल पूरे गिरधर एवं सवाई गांव के करीब 500 परिवारों को इस ठंड से बचने के लिए कंबलों का वितरण किया।

संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। लालपुर स्टेडियम में चल रही जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में खूब दम खम दिखाया। प्रतिगोगिताओं में पलिया ब्लाक ने चैंपियनशिप जीती। लखीमपुर ब्लाक को उपविजेता का खिताब मिला। मितौली तीसरे स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टैनी ने विजेता टीमों को शील्ड प्रदान की। मंडलीय शिक्षाधिकारी बेसिक श्याम किशोर तिवारी ने विजेताओं को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पहले विशेष प्रदर्शन की विजेता टीमों ने मुख्य अतिथि के सम्मुख अपनी प्रस्तुतियां दी। शनिवार को जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टैनी ने कहा खेल बच्चों के विकास के लिए काफी जरूरी हैं। खेल से बच्चो के विकास में भी काफी मदद मिलती है। उन्होंने परिषदीय स्कूलों के बच्चों की खेल प्रतिभा और उस प्रतिभा निखारने वाले शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने सरकार की खेलो इंडिया समेत कई योजनाओं से अवगत कराते हुए कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में शिक्षकों की अहम भूमिका होगी। मुख्य अतिथि ने स्काउड कैम्प का भी निरीक्षण किया और बच्चों की सराहना की। इससे पहले केजीबीवी लखीमपुर की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अटकोहना की बालिकाओं ने सुमधुर आवाज में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रिसोर्स सेंटर की विशेष आवश्यकता वाली बालिका राशिफ़ा ने हमारे घर राम आये गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने जमकर तारीफ की। मुख्य अतिथि ने प्रभावित होकर राशिफ़ा को मंच पर बुलाया और उसे पुरस्कृत किया। कुम्भी ब्लाक के यूपीएस अहमदनगर के बच्चों ने पीटी का शानदार प्रदर्शन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक योगेश वर्मा, श्रीनगर विधायक श्रीमती मंजू त्यागी, मंडलीय शिक्षा अधिकारी बेसिक, श्याम किशोर तिवारी समारोह में उपस्थित रहे। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी। समापन समारोह में सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, जितेंद्र त्रिपाठी, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी गिरिजा शंकर पाण्डेय, बीईओ हृदय शंकर, राकेश कुमार, देवेश राय, भगवान राव, अखिलानंद राय, शत्रुघ्न सरोज, नागेंद्र चौधरी, सुभाष चंद के साथ जिला व्यायाम शिक्षक विवेक गुप्ता, एसआरजी पंकज वर्मा, पूनम तोमर, एआरपी आशीष श्रीवास्तव, उत्तम पाण्डेय, गौरव शुक्ला , मधुरेश शुक्ल समेत समस्त संगठनों के पदाधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन प्रशांत बाजपेयी ने किया।

-खबर सेष

जिसकी रसीद तत्काल किसान को मुहैया कराई जा रही है, उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी किसानों के पास सुविधाओं व आधुनिक खेती की तकनीकों की भारी कमी हैं आज प्रतिदिन सैकड़ों किसान आत्म हत्या कर रहे हैं। इसका कारण कॉरपोरेट की ओर से कृषि क्षेत्र में व्यापारीकरण को बढ़ावा देना है। किसानों को अपने हक की लड़ाई खुद लड़नी पड़ेगी। राजनीतिक पार्टियां सत्ता में आने के बाद किसानों से किए गए वादों को भूल जाती हैं और व्यापार के नाम पर किसानों को लूटने के लिए कंपनियों को खुलेआम आजादी दे देती है। भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में खीरी जिले की सभी तहसीलों व ब्लाक के गांवों में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों द्वारा सघन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्रा ने कहा कि विश्व के अंदर भारतीय किसान संघ किसानों का सबसे बड़ा अराजनैतिक संगठन है।

सामहिक बलात्कार के आरोपीगण को आजीवन कारावास

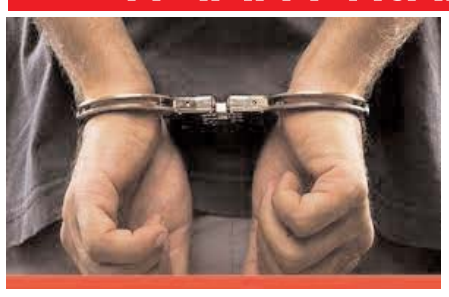

संवाददाता

शहडोल। मामले का विवरण इस प्रकार है कि, दिनांक 11.03.2020 को उच्च पीड़िता अपने मोहल्ले कस्बा बाणसागर में परिवार की भाभी शकुंतला केवट के घर में बर्तन मांगने के लिये गयी थी। तो शकुतला ने पीड़िता को कमरे के अंदर धकेल दिया और बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। जिसके उपरांत अंदर शकुंतला के भाई आरोपी मधुरेश ने जबरदस्ती पीड़िता के साथ दुष्कर्म कारित किया। पीड़िता द्वारा थाना देवलोंद में रिपोर्ट करने पर अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय अपर सत्र ब्यौहारी द्वारा पुलिस की विवेचना एवं अभियोजन द्वारा प्रस्तुत किए गए सशक्त तकों से सहमत होकर विचारण उपरांत आरोपीगणों मधुरेश केवट पिता सुखलाल केवट उम्र 22 वर्ष एवं शकुंतला केवट पति प्रदीप केवट उम्र 30 वर्ष दोनों निवासी ग्राम कुम्हिया थाना देवलोंद जिला शहडोल को धारा 375धक, 365ए, 342 भादवि0 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 में दोषी पाते हुये दोनो को आजीवन कारावास एवं 16-16 हजार रूपये के अर्थदंड से दींडित किया गया। प्रकरण की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी देवलोंद निरी0 जालम सिंह एवं शासन की ओर से श्री आर0के0 चतुर्वेदी अतिश्र जिला लोक अभियोजन अधिकारी ब्यौहारी जिला शहडोल द्वारा पैरवी की गई।

यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में केयरलीवर्स के साथ हुआ कार्यशाला का आयोजन

❖ 18 वर्ष से अधिक आयु के केयरलीवर्स ने साझा किये अपने अनुभव व चुनौतियॉं।

❖ प्रदेश के युवा शक्ति होंगें एकजुट।

संवाददाता

आगरा। समाजशास्त्र विभाग सभागार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊः महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश, द्वारा यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में विगत वर्षो में प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाओं से पाश्चातवर्ती देखरेख में गये 18 वर्ष से अधिक आयु के केयरलीवर्स (किशोर-किशोरियों) के साथ उनके पुर्नावासन को सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किये जाने के उद्देश्य से पहले राज्यस्तरीय संवाद का आयोजन लखनऊ में किया गया। उत्तर प्रदेश की पाश्चातवर्ती देखरेख (ऑफटर केयर) संस्थाओं सहित, बाल देखरेख संस्थाओं से निकलकर समाज की मुख्यधारा में शामिल किये गये केयरलीवर्स के संरक्षण एवं पुर्नवास तथा युवा शक्ति के भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु कल, आज और कल पर समर्पित यह संवाद युवाओं के अनुभवों और चुनौतियों पर आधारित थी। केयरलीवर्स द्वारा संवाद के दौरान यह निर्णय लिया गया कि विभाग के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में केयरलीवर्स को आवश्यक समर्थन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा शक्ति को एकजुट किया जायेगा, जिसके अंतर्गत प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाओं से निकलने वाले समस्त किशोर-किशारियों को शामिल किया जायेगा। इस संवाद के माध्यम से सभी किशोर-किशोरियों द्वारा अपने भविष्य के निर्माण हेतु एक साथ बैठक कर चर्चा की गई। इसी क्रम में दूसरी कार्यशाला दिनांक 23 दिसंबर 2023 को आयोजित की जायेगी जहाँ यह केयरलीवर्स अपनी देखभाल सेवाओं के प्रबंधन हेतु आवश्यक सुझाव रखेंगें। साथ ही पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) में आने से पूर्व, दौरान और पश्चात की जाने वाली कार्यवाही पर विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया के निर्माण हेतु अपने विचार प्रस्तुत करेंगें।

संवाद के दौरान उपनिदेशक महिला कल्याण पुनीत कुमार मिश्रा ने कहा कि आने वाले वर्ष में हम बाल देखरेख संस्थाओं से समाज की मुख्यधारा की ओर अग्रसर होने वाले इन युवाओं को हर संभव समर्थन प्रदान करने के लिये योजना तैयार कर रहे हैं। इन युवाओं को जीवन कौशल में निपुण बनाने के साथ-साथ उनका कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोडना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत पश्चातवर्ती देखरेख में पूर्व से शामिल किशोर-किशोरियों के पुर्नवास तथा कल्याण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिनमें किशोर-किशोरियों के आवश्यकताओं व बुनियादी जरूरतों को पूरा करने हेतु प्रति किशोर प्रति माह 4,000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रावधान शामिल हैं। यूनिसेफ के बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि हर वर्ष बाल देखरेख संस्थाओं से सैंकड़ों बच्चे 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरांत गृहों को छोड़कर या तो समाज की मुख्यधारा में शामिल होते है या विभाग द्वारा संचालित पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) संस्थाओं में आवासित कराये जाते हैं तथा अधिकतम 23 वर्ष की आयु के उपरांत पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) गृह को छोडकर समाज में प्रवेश करते हैं। कतिपय इन युवाओं को जीवन में संघर्ष और समाज की मुख्यधारा में समायोजित होने हेतु विभिन्न चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता हैं। इन युवा शक्तियों का समर्थन और सशक्तिकरण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में उपस्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डी0आर साहु ने कहा कि उपस्थित किशोर-किशोरियों के कल में जरूर जोखिम रहें होंगें पर सभी को अपने आज पर काम करते हुये अपने भविष्य को संवारने हेतु अग्रसर होना होगा। केयरलीवर्स को यदि किसी प्रकार के मार्गदर्शन की आवश्यकता हो तो विश्वविद्यालय पूरी तरह से आपके साथ है।

किशोर न्याय (बालकों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 (संशोधित 2021), की धारा 2(5), धारा 46 और नियमावली के नियम 25 के प्रावधान संस्थागत देखरेख में रहने वाले बच्चों को पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) की सुविधा प्रदान करते है, उक्त धारायें व नियम यह अनिवार्य बनाते हैं कि ''किसी बच्चे के 18 वर्ष पूरा करने और ऐसी स्थिति में बाल देखरेख संस्था छोड़ने पर उसे निर्धारित तरीके से समाज की मुख्यधारा में पुनः एकीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है''।

पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) उन सभी युवाओं/किशोर-किशोरियों हेतु है, जो अपने बचपन के दौरान किसी भी प्रकार की वैकल्पिक देखभाल अर्थात बाल देखरेख गृह में पले-बढ़े हैं और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर उन्हें वह गृह छोड़ना पड़ता हो। देखरेख गृह छोड़, स्वतंत्र जीवन जीने की ओर बढ़ना युवाओं हेतु विभिन्न चुनौतियों के साथ-साथ अवसर प्रदान करने वाला बदलाव है क्योंकि वे अनदेखी परिस्थितियों और भावनात्मक परिवर्तनों से गुजरते हैं। यह बदलाव की स्थिति एक संवेदनशील अवधि है क्योंकि यदि इस समय युवाओं को आवश्यक समर्थन नही मिला तो उनके लिए उपलब्ध अवसर उनसे छूट सकते हैं। विभाग द्वारा वर्तमान में लखनऊ में किशोरों हेतु 1 और लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर में किशोरियों हेतु 4 पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टर केयर) संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है।

पश्चातवर्ती देखरेख (ऑफ्टरकेयर) के अंतर्गत 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को बाल देखरेख संस्था छोड़ने पर उनकी शिक्षा जारी रखने हेतु समर्थन के साथ-साथ, रोजगार योग्य कौशल और प्लेसमेंट, उद्योग शिक्षुता, व्यवसाय शुरू करने हेतु ऋण सहायता व समाज की मुख्यधारा में उनके पुनः एकीकरण तथा उन्हें रहने का स्थान प्रदान करने के प्रावधान है।

सवांद के दौरान पश्चातवर्ती देखरेख में शामिल लगभग 50 युवा शक्तियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी यूनिसेफ दिनेश कुमार सहित विभाग की ओर से लखनऊ मंडल के उपनिदेशक प्रवीण कुमार त्रिपाठी, राज्य सलाहाकर प्रीतेश कुमार तिवारी व नीरज मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह और मंडलीय तकनीकी रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार उपस्थित रहे।

एक नज़र

यमुना पार क्षेत्र में बस रही है अवैध कालोनी न बक्सा पास, केवल क्षेत्रीय इंजीनियर की करते हैं कोलोनाइजर

आगरा। यमुना पार क्षेत्र में कोलोनाइजर लगातार अवैध कालोनी वसा रहे हैं इन कॉलोनियों के न नक्सा पास कराए जा रहे हैं और न ही आबादी की तहसील से अनुमति ली जा रही है। एत्मादपुर तहसील के रहन कलां, भंगारा, छलेसर, नुनिहाई, शाहदरा, जलेसर और खंदोली रोड पर नई नई कोलोनिया विकसित की जा रही है। इन कॉलोनियों के विकास प्राधिकरण से मानचित्र तक पास नही कराए गए हैं जबकि क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण इंजीनियर इनसे साठ गांठ करके अपनी जेब गर्म कर इनको बिकाशित करा रहे हैं। छलेसर जंगल में हजारों वृक्ष कटे। कोलोनाइजरों ने कॉलोनी विकसित करने के लिए हजारों वृक्ष काट दिए हैं और अंदर ही अंदर सड़क और कॉलोनी बनाई जा रही है जबकि झरना नाले के किनारे जो सरकारी जमीन थी उस पर भी अवैध कब्जा कर मकान बनाए जा रहे हैं।

चाय विक्रेता पहुंचा आयुक्त दरबार

मीटिंग में पी गई चाय का नही हो रहा भुगतान

आगरा। विकास भवन में चाय पीते रहे अधिकारी लेकिन चाय के पैसे न मिलने से पीड़ित चाय विक्रेता आयुक्त के दरबार मे पहुंच कर चाय के पैसे दिलवाने की गुहार लगाई है। चाय विक्रेता रमेश कुमार ने कमिश्नर रितु महेश्वरी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि विकास भवन के उपायुक्त एन एल आरएम की बैठकों चाय ली गई इनका भुगतान नहीं किया जा रहा है। वह गरीब हे चाय बेच कर परिवार का पालन पोषण करता है लेकिन भुगतान नहीं किया जा रहा है पैसा मांगने पर धमकी दी जा रही है। डीडीएम से बीस हजार दिलाने की मांग। कमिश्नर से चाय विक्रेता रमेश ने बताया कि विकास भवन कैंपस में चाय की दुकान डीडीएम कन्नौजिया ने लग वाई थी उस दौरान दस हजार रूपए एडवांस और ढाई हजार रूपए प्रति माह किराया वसूला जा रहा था इसकी मुख्य विकास अधिकारी ने जांच भी करा ली उसके बाद उपायुक्त रामायण सिंह यादव न पैसे वापस करा रहे हैं और न कोई कार्यवाही कर रहे हैं। जबकि जिला विकास अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी कार्यवाही को लिख चुके हैं।

पीएमआवास व गंगाजल के प्रोजेक्ट के टैंक भूमि का सांसद ने किया भूमि पूजन,

करोड़ों रुपए घोटाले में कांग्रेस के खिलाफ किया आंशिक धरना प्रदर्शन

कागारौल/आगरा। शनिवार पूर्वानाह 11बजे करीब किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फतेहपुर सीकरी सांसद ने सीकरी में बन रहे नए प्रधानमंत्री आवासों व ग्राम पतसाल में गंगाजल प्रोजेक्ट के लिए बनाए जा रहे ओवरहेड टैंक की भूमि का आज पूजन किया। इससे पूर्व झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के घर करोड़ों रुपए के नोटों के बंडल पाए जाने पर महात्मा गांधी प्रतिमा पर समर्थकों समेत आंशिक धरना प्रदर्शन दिया और कांग्रेस के भ्रष्टाचार और काले कारनामों की जनता के समाने पोल खोली। फतेहपुर सीकरी सांसद राजकुमार चाहर पूर्वान्ह 11 बजे आगरा गेट के समीप पहुंचे जहां 6 महिलाओं को नए प्रधानमंत्री आवास का प्रमाण पत्र देते हुए भूमि पूजन किया। सांसद चाहर ने इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा शासन में विकास के नए आयाम बने हैं गरीबों को प्रधानमंत्री आवास समेत किसानों मजदूरों के लिए भाजपा निरंतर कार्य कर रही है प्रधानमंत्री मोदी का कथन है कि ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, भ्रष्टाचारी जेल के अंदर होंगे। इसके बाद सांसद चाहर ने ग्राम पतसाल में गंगाजल प्रोजेक्ट के लिए ओवरहेड टैंक का भूमि पूजन भी किया।

आइसीयू में भर्ती मरीज के लिए इस्तेमाल इंजेक्शन देने पर

संवाददाता

आगरा। 4000 हजार एमआरपी बाला इंजेक्शन बाजार में 800 रुपये मिल रहा है इंजेक्शन के चार हजार रुपये वसूलने को लेकर जमकर हंगामा हुआ है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच ओसधी निरीक्षक को सौंपी गई। तीमारदार दुर्गेश अग्रवाल का कहना है कि हंगामे के बाद नेशनल मेडिकल स्टोर के संचालक ने 1100 रुपये का इंजेक्शन दे दिया, जबकि अस्पताल के बाहर स्थित मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन 800 रुपये का उपलब्ध है। एलआइसीयू में भर्ती मरीज के लिए मेडिकल स्टोर से इस्तेमाल किया किया है इंजेक्शन देने का मामला सामने आया।स्वजन ने हंगामा किया, मेडिकल स्टोर के कर्मचारियों पर गुमराह करने के आरोप लगाए हैं। औषधि निरीक्षक को जांच सौंपी गई है, मामला रश्मि मेडिकेयर मुगल रोड, कमला नगर का है। जहां मरीज से हॉस्पिटल के मेडिकल स्टोर से ही दवा लेने को बाध्य किया जाता हैं।

रविवार से शुरू होगा पोलियो अभियान

शुक्रवार को आगरा कॉलेज ग्राउंड से सुभाष पार्क तक निकाली गई जागरुकता रैली

❖सीएमओ ने 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाने की अपील की।

संवाददाता

आगरा। जनपद में पल्स पोलियो अभियान फिर से शुरू हो रहा है। छह दिवसीय सघन पल्स पोलियो अभियान 10 दिसंबर (रविवार) से शुरू होगा। शुक्रवार को इसके लिए आगरा कॉलेज ग्राउंड से सुभाष पार्क तक जागरुकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ आसमान में गुब्बारे उड़ाकर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजीव वर्मन ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान में इस बार शून्य से पांच साल तक के 686420 बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। पल्स पोलियो अभियान का बूथ दिवस (रविवार)

को आयोजित होगा। सीएमओ ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने को लेकर सभी की जिम्मेदारी निर्धारित कर दी गई है। एक भी बच्चा दवा पीने से वंचित नहीं हो पाएगा। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने शून्य से पांच साल तक के बच्चों को हर हाल में पोलियो की खुराक पिलाने के लिए अपील की है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजीव वर्मन ने बताया कि भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन पोलियो कुछ देशों में अभी भी है और फिर लौट सकता है। इस वजह से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को 2542 बूथों पर दवा पिलाई जाएगी। जो बच्चे बूथ दिवस पर दवा पीने से छूट जाएंगे। उनको 1718 टीमें 11 से 15 दिसंबर (सोमवार से शुक्रवार) तक घर घर जाकर दवा पिलाएंगी। इन टीमों का 527 सुपरवाइजरों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया जाएगा। 43 मोबाइल टीम लगाई जाएंगी। 17 दिसंबर को छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। डीपीएम कुलदीप भारद्वाज ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र और नगरीय क्षेत्र में टीमें अभियान में लगाई जाएंगी। इसके अलावा जिला स्तर पर जिला स्तरीय अधिकारी भी पल्स पोलियो टीमों का औचक निरीक्षण करेंगे। पल्स पोलियो अभियान का रोजाना शाम को ब्लॉक स्तर के नोडल अधिकारियों द्वारा फीडबैक लिया जाएगा और अभियान की समीक्षा होगी। इस दौरान सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, आशा कार्यकर्ता व यूनिसेफ के डीएमसी राहुल कुलश्रेष्ठ, विश्व स्वास्थ्य संगठन की एसएमओ डॉ. महिमा चतुर्वेदी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एफएम, यूनिसेफ के बीएमसी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

लोक अदालत में छ लाख से अधिक मामले निबटे सत्रह करोड़ रुपए जुर्माना बसूला गया, दिन भर रही चहल पहल

संवाददाता

आगरा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद आगरा में किया गया जिसका उद्?द्घाटन जनपद न्यायाधीश विवेक संगल द्वारा दीप प्रज्वलन कर मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया गया। इस कार्यक्रम में भू-अर्जन पुनर्वासन व व्यवस्थापन प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी सजय हरि शुक्ला, वाणिज्यिक न्यायालय के पीठासीन अधिकारी सुधीर कुमार चतुर्थ प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के विपिन कुमार प्रथम, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, अपर जिला जज-प्रथम रविकान्त, पुलिस आयुक्त प्रीतिदर सिंह एवं अपर जिला जज अमरजीत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डा0 दिव्यानन्द द्विवेदी सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। न्यायाधीश एवं अपर जनपद न्यायाधीशगण द्वारा अन्य प्रकृति के 56 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें जुर्माना धनराशि 11700/-अधिरोपित की गई। लोक अदालत में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय विपिन कुमार-प्रथम के द्वारा 23 वादो का निस्तारण किया गया तथा अतिरिक्त परिवार न्यायालयों द्वारा 38 वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुघर्टना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय के द्वारा 216 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें पीड़ित पक्षी को 184476591/- रूपये की प्रतिपूर्ति धनराशि प्रदान की गई। लोक अदालत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (रेलवे) अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व अन्य न्यायालयों द्वारा कुल-21451 बादों का निस्तारण किया गया जिसमें जुर्माना धनराशि-15251679/- रूपये अधिरोपित की गई। इसके वर्चुअल कोर्ट के अधिकारी सुश्री नन्सी तिवारी के द्वारा 13601 वादों का निस्तारण किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने सिविल न्यायालयों द्वारा लोक अदालत के माध्यम से कुल 35385वादों का निस्तारण किया गया। इस लोक अदालत में विभिन्न बैंको भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक, ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावत पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, सिडिकेट बैंक, भारतीय संचार निगम लिमिटेड अन्य फाइनेन्स कम्पनी व आदि के कुल 1044 वादों का निस्तारण प्री-लिटिगेशन लोक अदालत के माध्यम से किया गया, जिसमें समझौता धनराशि-176195000/- रूपये सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त अन्य प्री-लिटिगेशन वाद 577900 का भी निस्तारण किया गया। इस आयोजन में आने बाले आम जनमानस की सुविधा हेतु जगह-जगह पूछताछ केन्द्र बनाये गये। न्यायालय परिसर में चहल-पहल रही तथा शान्ति व्यवस्था में पुलिस बल पर्याप्त मात्रा में तैनात रहा। राष्ट्रीय लोक अदालत के निस्तारण हेतु बैंक व मोबाइल कम्पनियों की पीठों की स्थापना की गई जिनके द्वारा प्रीलिटिगेशन के माध्यम से वादों का निस्तारण किया गया। जिला मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर फूल-614329 वादा का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया गया है।

शाहिद स्मारक मे भाजपा का कांग्रेस के खिलाफ धरना

संवाददाता

आगरा। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा के विधायक, संगठन के सेकडो समर्थको ने धरना प्रदर्शन कर कांग्रेस को भ्रष्ट पार्टी बताया गया। भारतीय जनता पार्टी के विधायक सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने शाहिद स्मारक मे धरना दिया। कांग्रेस के भ्रष्ट नेता और भ्रष्टाचार के खिलाफ दिया गया धरना झारखंड के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के खिलाफ धरना प्रदर्शन शहीद स्मारक मे बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के कई घोटाले और भ्रष्टाचार को गिनाया, झारखंड में राज्यसभा के 10 ठिकानों पर हुई है छापेमारीछापेमारी के दौरान लगभग 300 करोड रुपए जब्त आयकर विभाग ने किए हैं। धरना के दौरान छावनी विधायक जीएस धर्मेश जिला अध्यक्ष भाजपा गिर्राज सिंह कुशवाहा, महानगर अध्यक्ष भानु महाजन सहित, भाजयूमो महानगर अध्यक्ष शैलू पंडित सैकड़ो कार्यकर्ता रहे मौजूद।

06 चोरियों शहडोल पुलिस को मिली बड़ी सफलता

संवाददाता

शहडोल। पुलिस को विगत दिवसों में कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई 06 चोरियों का खुलासा करने में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने चोरी करने वाले शातिर चोरों को पकड़कर उनके पास से चोरी गया माल भी बरामद किया है। मामले का विवरण इस प्रकार है कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत हुई अलग-अलग चोरियों पर।

पंजीबद्ध 1. अपराध क्रमांक 802/23 धारा- 457, 380 ताहि., 2. अपराध क्रमांक 799/23 धारा 457,380 ताहि., 3. अपराध क्रमांक 806/23 धारा 457,380 ताहि., 4. अपराध क्रमांक 808/23 धारा- 457,380,411 ताहि., 5. अपराध क्रमांक 781/23 धारा 457, 380 ताहि., 6. अपराध क्रमांक 807/23 धारा- 457.380 ताहि. में चोरी गये मशरूका की पता तलाश हेतु अलग-अलग टीमें गठित कर लगातार प्रयास किये गए एवं आरोपी रौनक रजक उर्फ संतोष रजक पिता स्व. झूरु रजक उम्र 19 वर्ष निवासी-नवलपुर एवं दो बाल अपचारी तथा एक चोरी के समान खरीदने वाले आरोपी कोमल प्रसाद रैकवार पिता मुन्ने लाल उम्र 58 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती निवासी शहडोल को पुलिस द्वारा पकड़ा गया। पुलिस की पूछताछ में उक्त चोरी की घटनायें कारित करना इन्होंने स्वीकार किया। कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 806/23 में चोरी गया मशरूका 07 मोबाइल 09 चार्जर कीमती 76,500/- रुपये एवं घटना में प्रयक्त मोटरसायकल 60,000/- रुपये की आरोपी एवं अपचारी बालकों से जप्त किया गया है। अपराध क्रमांक 799/23 झूलेलाल मंदिर में दान पेटी से चोरी की मशरुका 725/- रुपये जप्त किया गया। अप क्र. 805/23 में चोरी गये मशरुका 500/- रुपये जप्त किया गया है। अप. क. 802/23 में चोरी गये 4,500/- रुपये मशरूका जप्त किया गया है। अप.क्र.?08/23 में चोरी गये मशरुका राजश्री, सिंगरेट कीमती 3,080/- रुपये का जप्त किया गया है। अप. क्र. 781/23 में चोरी गये मशरुका 2,000/- रुपये का जप्त किया गया है। घटना का मुख्य आरोपी रौनक विगत वर्ष भी शहर में हुई चोरी में शामिल था जिस पर तत्समय भी कोतवाली पुलिस द्वारा इसे पकड़ा गया था। उक्त चोरियों का खुलासा करने और आरोपी को पकड़ने में थाना निरी राघवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में उनि बिजेन्द्र मिश्रा, उनि उमाशंकर चतुर्वेदी, उनि अर्चना धुर्वे, सउनि रजनीश तिवारी, सउनि राकेश सिंह बागरी, सउनि प्रताप सिहं, सउनि सुरेश कुमार, सउनि कन्हैयालाल, प्र. आर. 44 महेन्द्रपाल शुक्ला, प्र.आर. 589 मायाराम अहिरवार, प्र. आर. 204 सुनीश शर्मा, म. प्र. आर. 151 सोनी नामदेव,आर. शशि, आर. पप्पू, आर. रामराज लोधी की रही है।

गाड़ी की डिग्गी में निकले दो करोड़, पुलिस के उड़े होश

आयकर विभाग की बुलाई गई टीम प्रॉपर्टी डीलर से मांगा हिसाब

संवाददाता

आगरा। यमुना एक्सप्रेस वे पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कार पकड़ी। जब कार की चेकिंग की गई तो कार की डिक्की के अंदर रखे रुपयों को देखकर पुलिस के होश उड़ गए। आनन-फानन में आगरा की आयकर टीम को बुलाकर सारी रकम उन्हें सौंपी गई। आयकर की टीम ने जब जांच की तो कुल रकम दो करोड़ रुपये की निकली। जिस व्यक्ति की कार से यह रकम मिली है उसने खुद को प्रॉपर्टी डीलर बताया। वह रकम के संबंध में कोई सही जानकारी नहीं दे सका। यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर पुलिस और आबकारी टीम रात को संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी एक कार नोएडा की तरफ से आ रही थी। पुलिस ने जब चेकिंग के लिए उसे रोका और उसकी तलाशी ली तो डिक्की के अंदर बैंगो के अंदर नोट भरे मिले। टीम भी नोटों को देखकर चौंक गई। कार सवार ने खुद को अश्वनी निवासी गोरखपुर बताया। चेकिंग टीम ने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी तो मौके पर आगरा की आयकर टीम पहुंची। नोटों की गिनती की गई तो पूरी 2 करोड़ रुपये निकली।पूछताछ में कार सवार ने बताया कि वह गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डीलिंग करता है। यह पैसा उसने इसी व्यवसाय से कमाया है और पैसा रखने के लिए घर जा रहा था।हालांकि वह धनराशि से संबंधित साक्ष्य मौके पर पेश नहीं कर सका।आयकर टीम ने उसे चार-पांच दिन का समय दिया है, कहा है कि या तो सबूत पेश करे नहीं तो रकम को सरकार के कोष में जमा कर दिया जाएगा।

बुज़ुर्गों के दरबार से बदलती है सभी की तकदीर : हज़रत हसन

बुज़ुर्ग हज़रत मौलाना बुरहानुद्दीन रहमतुल्लाह अलेह का सलाना जश्न ए उर्फ़ मुबारक बड़ी ही अकीदत के साथ मनाया

संवाददाता

आगरा। आगै अबुल उलाई सिलसिले के बुज़ुर्ग हज़रत मौलाना बुरहानुद्दीन रहमतुल्लाह अलेह का सलाना जश्न ए उर्फ़ मुबारक बड़ी ही अकीदत के साथ लखनऊ मलिहाबाद शरीफ में मनाया गया उर्स मुबारक में हाजी लगाने के लिए आगरा से मुरीद भी काफी सांख्य में पाहुंचे दो दिवासिया उर्स मुबारक में पहले दिन बाद नमाज असर गोसोल शरीफ संदल शरीफ की रस्म अदा की गई बाद नमाज मगरिब लंगर तकसीम किया गया खराब नमाज ईशा महफिले सीमा का अयोजन देर रात्रि तक चला जिस्म की आए हुए कव्वलों ने अपने अपने कलाम पेश कर हजारी लगाई उर्स मुबारक के दूसरे दिन दरगाह पर कुल शरीफ की रस्म अदा कर रंग की महफ़िल के साथ दो दिवासिया उर्स मुबारक का समापन हो गया आये हुए मुरीदों से हज़रत हसन आगै अबुल उलाई ने कहा कि बुज़ुर्गों के दरबार से ही तकदीर बदलती हैं क्योंकि अल्लाह रब्बुल इज्जत इने बुज़ुर्गों के वसीले से ही हमारी सारी तमन्नाएं सुनता है और इनके वसीले से यूएन तमन्नाओं को पूरी करता है इसीलिये हम सभी को दरबार वालियों में हाजिरी लगा कर अपनी परेशानियां पेश करनी चाहिए जिसे हम अल्लाह अल्लाह रब्बुल इज्जत हमारी परेशानियों को दूर कर सके क्योंकि यह बुज़ुर्ग अल्लाह रब्बुल इज्जत के इतने करीब होते हैं कि इनकी बात कभी भी अल्लाह रब्बुल इज्जत खारिज नहीं करता और हमारी सारी परेशानियां ख़तम कर देता है और इने बुज़ुर्गों से मोहब्बत रखनी चाहिए, हमको अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त हश्र के मैदान में देगा इसलिए हम सभी को इने बुज़ुर्गों से मोहब्बत रखनी चाहिए जिसे हमारी आख़रित भी संवर जाए और अल्लाह रब्बुल इज्जत हमको भी कल हसरा के मैदान में इने बुज़ुर्गों का साया नसीब फरमाए उर्स मुबारक में आगरा से हाजिरी लगाने वालों में मुख्य रूप से सैयद हुज़ूर अली हाजी अल्ताफ हुसैन मोइनुद्दीन मिर्जा रिजवान बैग फैजान बैग मुबीन उद्दीन इस्लाम खान ए गाई वकील दाउद वकील रियाजुद्दीन शानू बस्सी उद्दीन आदि लोग शामिल रहें।

देहरादून से कुमाऊं की दूरी हो जाएगी कम...

सिंगटाली में बनेगा ब्रिज, बहेगी पर्यटन की बयार

एजेंसी

ऋषिकेश। चार साल से पुल के निर्माण को लेकर स्थानीय लोग संघर्ष कर रहे हैं। कंसलटेंसी एजेंसी सिंगटाली में गंगा में 162 मीटर लंबे आर्च ब्रिज का डिजाइन तैयार कर रही है। इसके साथ ही डीपीआर भी बनाई जा रही है। सिंगटाली में गंगा नदी पर लोनिवि श्रीनगर गढ़वाल आर्च ब्रिज का निर्माण करेगा। लोनिवि की ओर से अधिकृत कंसलटेंसी एजेंसी पुल की डीपीआर और डिजाइन बनाने में जुटी है। इस महीने के आखिरी सप्ताह तक डीपीआर तैयार हो जाएगी। जनवरी माह में डीपीआर शासन में जमा होगी। देहरादून से कुमाऊं की दूरी कम करने के लिए सिंगटाली में 2006 से मोटरपुल बनाने की मांग की जा रही है। चार साल से पुल के निर्माण को लेकर स्थानीय लोग संघर्ष कर रहे हैं। कंसलटेंसी एजेंसी सिंगटाली में गंगा में 162 मीटर लंबे आर्च ब्रिज का डिजाइन तैयार कर रही है। इसके साथ ही डीपीआर भी बनाई जा रही है। इस आर्च ब्रिज के तैयार होने के बाद देहरादून से रामनगर (नैनीताल) की दूरी करीब 45 किमी कम हो जाएगी। साथ ही द्वारीखाल, यमकेश्वर ब्लॉक गंगाघाटी क्षेत्र में पर्यटन की बयार बहेगी और रोजगार के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में ब्यासघाट से ढांगूगढ़ (सिंगटाली) तक 24 किमी रोड कटिंग हो चुकी है। इस रोड पर वाहनों संचालन होता है। सिंगटाली मोटरपुल संघर्ष समिति के अध्यक्ष उदय सिंह नेगी ने बताया कि सिंगटाली में आर्च ब्रिज बनने से यहां आसपास पर्यटक भी आएंगे। उम्मीद है कि जल्द ही प्रदेश सरकार पुल का निर्माण कार्य शुरू कराएगी।

एप्रोच रोड का प्रस्ताव शासन को भेजा

सिंगटाली में मोटरपुल तक पहुंचने के लिए लोनिवि श्रीनगर गढ़वाल ने एप्रोच रोड के लिए प्रथम चरण का प्रस्ताव भेजा दिया है। जिन स्थानों पर वन भूमि आ रहा है उसका हस्तांतरण भी होना है। बताया जा रहा है कि टिहरी जिले की साइड जहां पर पुल बन रहा है वहां पर ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे का चौड़ीकरण भी किया जाना है।

सिंगटाली झूला पुल के ऊपर से गुजरेगा पुल

आर्च ब्रिज सिंगटाली झूला पुल के ठीक ऊपर बनेगा। झूला पुल के ऊपर दोनों पहाड़ियों पर आर्च ब्रिज के लिए अबिटमेंट बनाए जाएंगे। आर्क ब्रिज झूला पुल से काफी ऊंचाई पर बनेगा। संकरी जगह पर आर्च ब्रिज बनने से मनमोहक भी लगेगा। सिंगटाली में 162 मीटर स्पान के आर्च ब्रिज की डिजाइन तैयार की जा रही है। दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह तक डिजाइन, डीपीआर बनकर तैयार हो जाएगी। जनवरी माह में डीपीआर शासन को सौंपी जाएगी। उसके बाद वित्तीय स्वीकृति को लेकर पत्राचार किया जाएगा। - **किशोर कुमार, अधिशासी अभियंता, लोनिवि श्रीनगर गढ़वाल**

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ढाबे पर किया नाश्ता, लोगों के साथ ली सेल्फी

एजेंसी धर्मशाला कांगड़ा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोगों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। वहीं पूछा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने देहरा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने जाने के दौरान रास्ते में दरकाटा के समीप एक ढाबे पर कार्यकर्ताओं के साथ नाश्ता किया। उन्होंने लोगों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। वहीं पूछा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। लोगों ने बताया कि उन्हें केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। लोगों ने अनुराग से आयुष्मान भारत योजना की तारीफ की। देहरा की ग्राम पंचायत नेलटी पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का जोरदार स्वागत किया गया। वह विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री के साथ लाभार्थियों से बातचीत में लाइव जुड़े। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार और कांग्रेस दो सगी बहनें हैं, जहां एक जाती है, दूसरी खुद-ब-खुद चली आती है। कांग्रेस नेताओं के घर अरबों रुपये कैश छापेमारी में पकड़ा जा रहा है। नोटबंदी से घमंडिया गठबंधन को इतनी दिक्कत क्यों थी, ये उसका प्रमाण है।

एक नज़र

मोरी में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया

एजेंसी

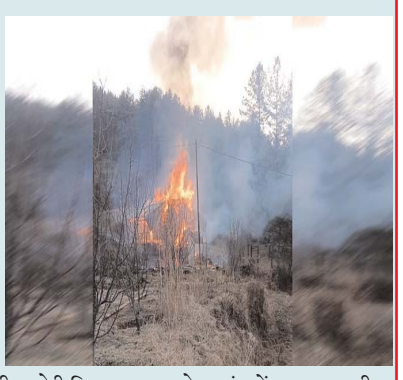

उत्तरकाशी (मोरी)। मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी तेजी से भड़की कि देखते ही देखते पूरे मकान को अपने चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पर उपनिरीक्षक जखोल मौके के लिए रवाना हुए हैं। उत्तरकाशी जिले के तहसील मोरी स्थित ग्राम जखोल गांव में एक आवासीय मकान अग्निकांड की भेंट चढ़ गया। गनीमत रही कि कोई जन व पशुहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार ग्राम जखोल के सूरत सिंह के बांयकुला तोक स्थित मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी तेजी से भड़की कि देखते ही देखते पूरे मकान को अपने चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पर उपनिरीक्षक जखोल मौके के लिए रवाना हुए हैं।

आउटलुक ट्रैवलर अवार्ड्स-2023 में हिमाचल को दो पुरस्कार, स्पीति सर्वश्रेष्ठ ईको पर्यटन गंतव्य

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल सभी मौसमों के लिए उपयुक्त पर्यटन गंतव्य है। यहां की पहाड़ियां, बर्फ से ढकी घाटियां, हरा-भरा वन क्षेत्र, जल निकाय और शानदार होम-स्टे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आउटलुक ट्रैवलर अवार्ड्स-2023 में हिमाचल को दो पुरस्कार मिले हैं। कांगड़ा जिले के बीड़-बिलिंग को सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटक गंतव्य के लिए गोल्डन कैटेगरी अवार्ड और लाहौल-स्पीति जिले के स्पीति को सर्वश्रेष्ठ ईको-पर्यटन गंतव्य के लिए गोल्डन कैटेगरी अवार्ड मिला है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने ये पुरस्कार प्राप्त किए। समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुक्खू ने निवेशकों से हिमाचल में पर्यटन क्षेत्र में उदारतापूर्वक निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति की सुविधा दे रही है। हिमाचल सभी मौसमों के लिए उपयुक्त पर्यटन गंतव्य है। यहां की पहाड़ियां, बर्फ से ढकी घाटियां, हरा-भरा वन क्षेत्र, जल निकाय और शानदार होम-स्टे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटकों के यात्रा अनुभव को शानदार बनाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा रही हैं। शहरों के साथ अनछुए ग्रामीण क्षेत्रों में ठहरने के लिए शानदार होम-स्टे विकसित किए जा रहे हैं ताकि पर्यटक करीब से यहां के जन-जीवन व वादियों को निहार सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवा में सुधार के लिए कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के साथ-साथ सभी जिला मुख्यालयों में हेलीपोर्ट तैयार किए जा रहे हैं। सरकार प्रतिवर्ष लगभग 5 करोड़ पर्यटकों का आगमन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। आउटलुक ट्रैवलर की प्रकाशक मीनाक्षी मेहता ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर आउटलुक ग्रुप के सीईओ इंद्रनील राय, गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, ओएसडी केएस बांशटू, पत्रिका की संपादक आनंदिता घोष भी उपस्थित रहीं।

लोअर पीएमजी में एक विशाल आदिवासी मेला। आदिवासियों की जमीन बेचने को लेकर कैबिनेट के फैसले का विरोध

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर। भुवनेश्वर लोअर पीएमजी में आदिवासियों का विरोध प्रदर्शन. राज्य सरकार द्वारा आदिवासियों की जमीन बेचने के कैबिनेट के फैसले का विरोध किया जा रहा है. आंदोलन का संचालन ओडिशा राज्य पेसाग्राम विधानसभा समन्वय समिति कर रही है. समिति ने पारंपरिक आदिवासी संगीत वाद्ययंत्रों के साथ आंदोलन की शुरुआत की। कैबिनेट के फैसले को निलंबित नहीं बल्कि पूरी तरह वापस लेने की मांग की गई है. इसके साथ ही समिति ने पेसा कानून लागू करने की मांग की।

एक साल का जश्न मनाने के लिए संगठन-सरकार की जुगलबंदी, तैयारियां जोरों पर

धर्मशाला। पार्टी की कोशिश है कि इस बड़े और भव्य आयोजन के जरिये आम चुनाव की जमीन भी तैयार कर ली जाए। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के एक साल पर 11 दिसंबर को होने जा रहा आयोजन कई मायनों में खास रहेगा। पार्टी की कोशिश है कि इस बड़े और भव्य आयोजन के जरिये आम चुनाव की जमीन भी तैयार कर ली जाए। सरकार की कोशिश होगी कि सालभर की उपलब्धियों और लोकलुभावनी घोषणाओं के दम पर कांग्रेस के लिए अभी से चुनावी माहौल बनाया जाए। साथ ही पार्टी संगठन को भी पूरी तरह से एक्टिव मोड पर लाया जाए। सरकार और संगठन में तालमेल और कांगड़ा की उपेक्षा के मुद्दों पर विपक्ष को करारा जवाब भी इसी जश्न से दिया जाएगा।

अल्मोड़ा और बागेश्वर जिले में 466 करोड़ का निवेश मिलेगार रोजगार

संवाददाता

अल्मोड़ा। बागेश्वर जिला स्तरीय निवेशक सम्मेलन मिनी कॉनक्लेव में 28 निवेशकों ने सेवा और उत्पाद क्षेत्र में 51.30 करोड़ के 27 एमओयू किए हैं। अल्मोड़ा में 51 निवेशक 415.925 करोड़ रुपये का निवेश कर जिले की आर्थिकी को मजबूत करने के साथ रोजगार के द्वार खोलेंगे। अल्मोड़ा में 51 निवेशक 415.925 करोड़ रुपये का निवेश कर जिले की आर्थिकी को मजबूत करने के साथ रोजगार के द्वार खोलेंगे। सबसे अधिक 34 निवेशकों ने होटल, होम स्टे और सोलर प्लांट में रुचि दिखाते हुए उद्योग विभाग को सहमति पत्र दिए हैं। निवेशकों ने सोलर प्लांट में 361.225 तो होटल कारोबार में 30.10 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एमओयू में हस्ताक्षर किए हैं। बेकरी, साबुन मैन्यूफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, गैस सर्विस, फर्नीचर, आर्टिफिशियल ज्वैलरी सहित अन्य छोटे उद्योगों के लिए निवेशकों ने 24.740 करोड़ रुपये निवेश करने का निर्णय लिया है। महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र मीरा बोरा ने कहा कि निवेशकों की तरफ से सहमति पत्र मिले हैं।

बागेश्वर- 28 निवेशकों ने किए हैं 51.30 करोड़ के 27 एमओयू

बागेश्वर जिला स्तरीय निवेशक सम्मेलन मिनी कॉनक्लेव में 28 निवेशकों ने सेवा और उत्पाद क्षेत्र में 51.30 करोड़ के 27 एमओयू किए हैं। 30 नवंबर को जिले के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा की मौजूदगी में जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया था। जिला उद्योग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में शामिल निवेशकों ने साठ लाख रुपये से दस करोड़ रुपये तक के एमओयू किए। निवेशकों ने होटल, रिजॉर्ट, पेपर प्रोडक्ट, प्रिंटिंग प्रेस, पंचकर्म वेलनेस सेंटर, हेल्थ सेक्टर, कैरी बैग, जूस, जैली, जैम, ग्रेप वाइन, बेकरी, फूड प्रोडेक्ट, गेस्ट हाउस, होम स्टे, खनन सेक्टर आदि के क्षेत्र में निवेश किया। इन निवेशों के माध्यम से 600 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इधर, महाप्रबंधक जिला उद्योग सीएमएस रावत ने बताया कि 27 इकाई स्वामियों के साथ जो एमओयू साइन हुए हैं, उनसे जिले के विकासात्मक कार्यों को बल मिलेगा और रोजगार के मौके भी उपलब्ध होंगे।

आप MLA राजेश जनता से पूछेंगे सवाल

❖ केजरीवाल जेल से सरकार चलाएं या दें इस्तीफा।

संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी मैं भी केजरीवाल अभियान चला रही है। आप विधायक राजेश गुप्ता ने इसी सिलसिले में जनता के बीच पहुंचेंगे। इस दौरान आप विधायक राजेश गुप्ता पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पूरे क्षेत्र में डोर टू डोर कैम्पेन करेंगे। वे घर-घर जाकर लोगों से बातचीत करेंगे। अरविंद केजरीवाल के बारे में जनता की राय जानेंगे।

अभियान के नौवें दिन आप दिल्ली उपाध्यक्ष तथा विधायक राजेश गुप्ता होंगे जनता के बीच जाकर पूछेंगे कि अगर ईडी शराब नीति मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार करती है तो क्या करें? आप विधायक जनता से जानेंगे कि गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर जेल से सरकार चलानी चाहिए?

24 तक चलेगा जनसंवाद

आम आदमी पार्टी के नेता व कार्यकर्ता 20 दिसंबर तक सभी 2600 पोलिंग स्टेशन पर डोर टू डोर कैंपेन और 21 से 24 दिसंबर तक सभी 250 वार्ड में जनसभा करेंगे। अंत में जनता की जो भी राय होगी उसे सीएम अरविंद केजरीवाल को सौंपा जाएगा।

बगस्याड में जीप में तस्करी कर ले जाए जा रहे देवदार के 31 स्लीपर बरामद, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

मंडी। जंजैहली से चैलचौक की तरफ एक जीप एचपी 30 ए 1649 को जब विभाग की टीम ने तलाशी के लिए रोका तो जीप में 31 नग देवदार के बरामद हुए। सुक्केत के बाद नाचन वन मंडल में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए एक जीप में अवैध रूप में तस्करी कर ले जाए जा रहे देवदार के 31 स्लीपर बरामद किए हैं। वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी और तस्करी में प्रयोग की गई जीप को कब्जे में लेकर जीप मालिक समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। वन विभाग ने पुलिस में मामला दर्ज कर कर दिया है। डीएफओ नाचन एसएस कश्यप ने देवदार की लकड़ी की अवैध खेप पकड़ने की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार वन विभाग नाचन की टीम ने वन खंड बगस्याड के समीप सड़क किनारे शिव मंदिर के पास शनिवार सुबह नाका लगाया था। इस दौरान जंजैहली से चैलचौक की तरफ एक जीप एचपी 30 ए 1649 को जब विभाग की टीम ने तलाशी के लिए रोका तो जीप में 31 नग देवदार के बरामद हुए। वन विभाग की टीम ने जब चालक से लकड़ी का परमिट मांगा तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जीप को जीप का मालिक चला रहा था। इस पर कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी और जीप को कब्जे में ले लिया और तीनों आरोपियों देश राज पुत्र नागु राम निवासी सरन तहसील निहरी, जीप चालक व मालिक विवेक कुमार पुत्र मान सिंह निवासी जोहड़ और निशु पुत्र सुभाष निवासी नेहरा गाड़ा गुशैन को गिरफ्तारकिर लिया। पकड़ी गई देवदार की लकड़ी की कीमत 2 लाख रुपये बताई गई है। आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि यह लकड़ी उन्होंने मगरू गला में किसी व्यक्ति से 60 हजार रुपये में खरीदी है।

यहां गैर-ओडिया डेवलपर्स को बड़े प्रोजेक्ट का काम मिल रहा है उड़िया दादन जा रहा है : मो दल

संवाददाता

भुबनेश्वर। राज्य में गैर-उड़िया लोगों का प्रचलन बढ़ रहा है। गैर-रूढ़िवादी डेवलपर्स का शासन जारी है। बड़े-बड़े विकास कार्य इन अपरंपरागत डेवलपर्स के हाथों में हो रहे हैं। प्रदेश में विकास के नाम पर क्रांति चल रही है। यह कहते हुए बीजेडी सरकार और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष भी. के पांडियन पर बरसे मो दल टीम। आज मो दल द्वारा आयोजित एक प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अक्षय कुमार ने कहा, इस सरकार ने राज्य के सभी विकास कार्यों को गैर-ओडिया डेवलपर्स को सौंप दिया है। अक्षय कुमार ने बताया कि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी के आधार पर पिछले 7 वर्षों (2015 से 2022) के दौरान राज्य में लगभग सभी प्रमुख विकास कार्य जैसे सड़क, भवन, सरकारी कार्यालय, अस्पताल, खेल के मैदान, वि.वि. भूमि निर्माण, विद्युतीकरण, पेयजल आपूर्ति, पुलों का निर्माण, सरकारी योजनाओं का प्रबंधन आदि गैर-ओडिया विकास फर्मों को दिया गया है। राज्य में उन्हें 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट दिए गए हैं. इन मेगा परियोजनाओं को गैर-ओडिया डेवलपर्स को देने के लिए निविदा प्रक्रिया इस प्रकार की जा रही है। सैकड़ों डेवलपर्स ने परियोजनाएं शुरू की हैं, खासकर केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, पश्चिम बंगाल से। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश ने सबसे अधिक संख्या में विकास फर्में ली हैं। दूसरी ओर, रूढ़िवादी डेवलपर्स छोटी परियोजनाओं से संतुष्ट हो रहे हैं। कई परियोजनाओं में, ऑर्डिनेंस डेवलपर्स गैर-ऑर्डिनेंस डेवलपर्स के उप-ठेकेदार के रूप में काम कर रहे हैं। जहां विभिन्न राज्यों के गैर-ओडिया डेवलपर्स राज्य की सभी परियोजनाओं पर कब्जा कर रहे हैं, वहीं ओडिशा के लाखों युवा उन राज्यों का दौरा कर रहे हैं। मेरी साइकिलें, मो बसें, राज्य में चल रही मो सरकार सभी गैर-ओडिया लोगों के कब्जे में हैं। इन सभी परियोजनाओं का डी. पी. आर तैयारी, योजना निर्माण और कार्यान्वयन और योजना प्रबंधन सभी गैर-ओडिया संस्थानों के अधिकार क्षेत्र में हैं। मो दल ने आरोप लगाया कि पिछले 8 वर्षों में, राज्य में गैर-ओडिया डेवलपर्स द्वारा औसतन 300,000 करोड़ रुपये की लूट की गई है और पीसी लेनदेन 25 प्रतिशत से कम नहीं है।इसलिए, ओडिशा की मातृ भूमि और संप्रभुता की रक्षा सबसे बड़ा सवाल बन गया है। इसे सुरक्षित रखने के लिए मो दल को लॉक करके रखें। अक्षय कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि 2024 में मो दल को लाकर नवीन सरकार को हटाकर ओडिशा की आजादी की रक्षा के लिए एक बड़ा संघर्ष शुरू किया जाए. आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के महासचिव श्री प्रदीप प्रधान, अभियान समिति के अध्यक्ष श्री सेशदेव नंद, पार्टी के प्रधान संपादक उमाकांत राउत, युवछात्र संगठन के अध्यक्ष मनार अल्ली प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

लोकसभा चुनाव की जंग के लिए कांग्रेस एकजुट - बिट्टू

धर्मशाला। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू का कहना है कि धर्मशाला के आयोजन और लोकसभा चुनाव की जंग के लिए कांग्रेस एकजुट है। सरकार का एक साल उपलब्धियों भरा रहा है। समारोह ऐतिहासिक होगा। पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह साफ दिख रहा है। 11 दिसंबर को दिख जाएगा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकसभा की जंग में भाजपा को पटकनी देने के लिए कमर कस चुके हैं।

कम समय में घुमने के लिए बेहतरीन जगह है झांसी

इन जगहों की सैर बना देगी आपका सफर यादगार

झांसी शहर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह अटूट हिस्सा है जिसके बिना आजादी की महागाथा अधूरी है। मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी भारत के मध्य में स्थित यह जगह चंदेल राजाओं का गढ़ हुआ करता था। तो अगर आप झांसी घूमने का प्लान कर रहे हैं तो इन जगहों की सैर बिल्कुल भी मिस न करें।

जिला मुख्यालय झांसी से 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मप्र के दतिया में राजसत्ता की देवी मां पीताम्बरा व तंत्र साधना की देवी मां धूमावती का मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि दस में से दो महाविद्याओं का केन्द्र इसे माना जाता है। इसकी स्थापना 1935 में कराई गई थी। जहां दुनिया के कोने-कोने से लोग यहां तंत्र साधना के लिए आते हैं। मां पीताम्बरा के दर्शन तो हर रोज मिल जाते हैं, लेकिन हजारों लोग यहां शनिवार के दिन मां धूमावती के दर्शन के लिए दूर दूर से आते हैं। लोग इसे एक ऐतिहासिक घटना के संदर्भ में भी याद करते हैं। बताया जाता है कि जब 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण कर दिया था, तब इसे टालने के लिए पं.जवाहर लाल नेहरु को मुख्य यजमान बनाकर 51 कुंडीय यज्ञ का आयोजन यहां किया गया था। यज्ञ के 9वें दिन संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से यह संदेश मिल गया था कि चीन ने आक्रमण रोक दिया है,और 11 दिन जब पूर्णाहुति दी जा रही थी तब तक चीन की सेना वापस हो गई थी।

मप्र में बुंदेलखंड के निवाड़ी जिले में आने वाले ओरछा को बुंदेलखंड का अयोध्या कहा जाता है। ओरछा में भगवान श्रीराम का करीब 400 वर्ष पूर्व राज्याभिषेक होने के बाद अभी भी यहां पर भगवान राम को राजा के रुप में माना जाता है, जहां पर रामराजा सरकार को गार्ड ऑफ आर्नर भी दिया जाता है। यह मंदिर झांसी से 16 किलोमीटर की दूरी पर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ओरछा में सिर्फ रामराजा की ही सत्ता चलती है। ओरछा की चारदीवारी के अंदर न तो किसी राजनेता को सलामी दी जाती है और न ही कोई मंत्री अथवा अधिकारी अपनी गाड़ी की बत्ती जलाकर आता है। रामराजा को यहां चारों वक्त सशस्त्र बल द्वारा सलामी दी जाती है।

मंदिर में यहां पर भगवान श्रीराम को आज भी राजा के रुप में पूजा जाता है। यह जगह झांसी से 21 किमी दूर खजुराहो मार्ग पर स्थित है। बरुआ सागर एक ऐतिहासिक स्थान है, यहां 1744 में पेशवा के सैनिकों और बुंदेलों के बीच युद्ध लड़ा गया था। इस जगह का नाम एक विशाल झील बरुआ सागर ताल के नाम पर है जो ओरछा के राजा उदित सिंह द्वारा नदी पर बाँध बनाये जाने के दौरान लगभग 260 साल पहले बना था। बांध की संरचना वास्तुकला और अभियांत्रिकी का एक अनूठा उदाहरण है। उनके द्वारा बनाया गया एक पुराना किला यहां ऊंचाई पर सुंदरता से स्थित है जहां से किला झील और आसपास के परिदृश्य देखते बनता है। रेलमार्ग और हवाई मार्ग द्वारा पहुंचा जा सकता है। निकटतम हवाई अड्डा ग्वालियर है। झांसी की सैर के लिए उपयुक्त समय नवंबर से मार्च के बीच है। इस समय बारिश में भी आप यहां की सैर कर सकते हें। बारिश में नहाए किले और पर्यटक स्थलों की रौनक और खिली नजर आती है।

दतिया स्थित पीतांबरा पीठ

बरुआ सागर

ओरछा: बुंदेलखंड का अयोध्या

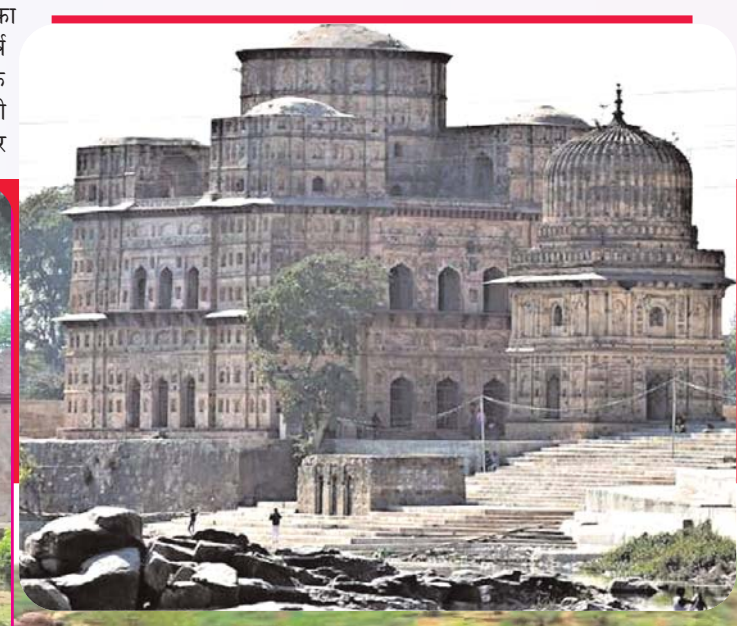

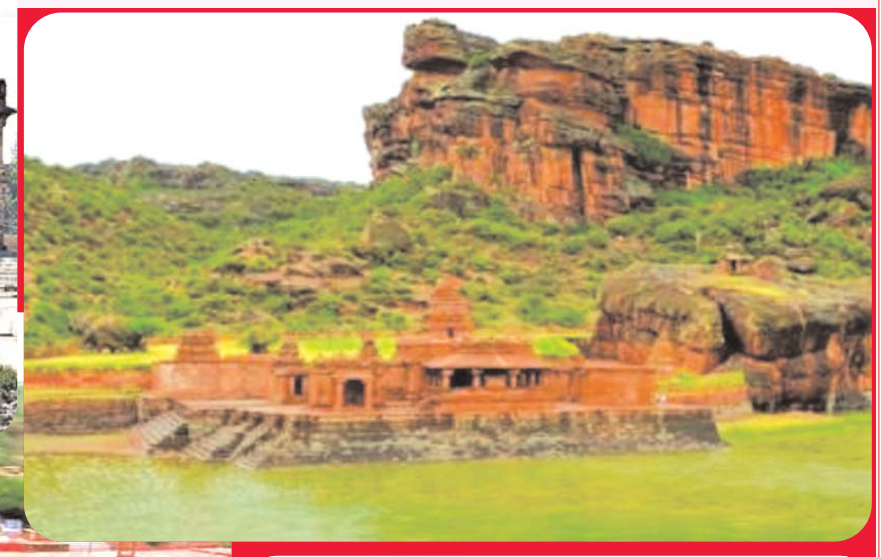

सर्दियों में खो गया है स्किन का ग्लो तो इन तरीकों को अपनाएं, निखरती त्वचा देखकर लोग करेंगे तारीफ

नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम की शुरुआत हो गई है, ऐसे में लोगों की त्वचा में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। गर्मियों मे त्वचा काफी खिली-खिली रहती है, लेकिन सर्दियों की वजह से लोगों की त्वचा काफी डल हो जाती है। इस मौसम में त्वचा का रूखापन अलग से दिखाई देना लगता है, जिनकी त्वचा पहले से ही ड्राई होती है, उनको तो सर्दियों के मौसम में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे में सर्दी के मौसम में त्वचा का खास ध्यान रखना पड़ता है। वैसे तो स्किन को नमी देने के लिए बाजार में कई प्रोडक्ट मिल जाते हैं, लेकिन इनका असर ज्यादा समय तक नहीं रहता है। ऐसे में बहुत से लोग त्वचा के लिए प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करते हैं। अगर आपको ये समझ नहीं आता है कि, किन चीजों का इस्तेमाल आप त्वचा की नमी बरकरार रखने में कर सकते हैं, तो ये खबर आपके लिए है। हम आपको उन पांच चीजों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से ड्राई स्किन की समस्या दूर हो सकती है।

नारियल तेल

त्वचा की बरकरार रखने के लिए नारियल तेल सबसे बेहतर विकल्प है। इससे त्वचा को पोषण मिलता है और ये स्किन को मुलायम और नरम बनाए रखता है। ऐसे में आप रात को सोने से पहले इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा जेल मौसम में हाइड्रेट मदद जिस त्वचा का होता है। ये वाली खुजली, सर्दियों में होने ड्राइनेस, रेडनेस और सूजन को भी कम करता है।

विटामिन ई

सर्दियों के मौसम में त्वचा काफी ड्राई हो जाती है। ऐसे में आप स्किन को हेल्दी रखने और भरपूर पोषण देने के लिए विटामिन ई का इस्तेमाल जरूर कर सकते हैं। यह शुष्क त्वचा की समस्या को भी दूर करता है। इसलिए आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

शहद

अगर आप प्राकृतिक तरीके से त्वचा को मुलायम करना चाहते हैं, तो शहद से बने फेसपैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये त्वचा को काफी मुलायम बनाता है।

हल्दी

हल्दी में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। अगर आपकी स्किन ड्राई हो गई है तो ये स्किन में होने वाली इचिंग, ड्राइनेस को दूर करती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको थोड़ी सी हल्दी को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्किन पर इसे लगाएं। इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा।

जोजोबा ऑयल

आजकल बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट आते हैं, जिनमें जोजोबा ऑयल पाया जाता है। ऐसे में आप इन प्रोडक्ट्स को लेकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत ने तीसरे टी20 में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया

स्मृति मंधाना और श्रेयंका पाटिल चमकीं

एजेंसी

मुंबई। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज रविवार (10 दिसंबर) को समाप्त हुई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने पांच विकेट से जीत हासिल की। इस तरह इंग्लैंड ने 2-1 के अंतर से सीरीज को अपने नाम किया। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम इंडिया को पिछले दो मैचों में हार मिली थी। इस मैच को जीतकर टीम इंडिया ने सीरीज का समापन किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच इकलौता टेस्ट मैच 14 दिसंबर से खेला जाएगा। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम 20 ओवर के बाद 126 रन पर सिमट गई। जवाब में भारत ने 19 ओवर में पांच विकेट पर 127 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। भारत के लिए स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। गेंदबाजी में सायका इशाक और श्रेयंका पाटिल ने तीन-तीन विकेट लिए। श्रेयंका को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मंधाना और जेमिमा ने की अर्धशतकीय साझेदारी

127 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा आउट हो गईं। वह छह गेंद पर छह रन बनाकर फ्रेया केम्प की गेंद पर बोल्ड हो गईं। उनके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्ज ने दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। जेमिमा ने 33 गेंद पर 29 रन बनाए। उन्होंने चार चौके लगाए। जेमिमा को चार्ली डीन ने एलबीडब्ल्यू किया।

अमनजोत और हरमनप्रीत ने मैच का किया समापन

जेमिमा के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरीं दीप्ति शर्मा ने 12 रन का योगदान दिया और मंधाना के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। दीप्ति को फ्रेया केम्प ने एमी जोन्स के हाथों कैच कराया। मंधाना अर्धशतक लगाने से चूक गईं। वह 48 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। मंधाना को एक्लेस्टोन ने सोफिया डंकले के हाथों कैच कराया। ऋचा घोष दो रन बनाकर सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गईं।अमजोत कौर ने नाबाद 10 और हरमनप्रीत कौर ने नाबाद छह रन बनाए।

इंग्लैंड की पारी

तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने सोफिया डंकले और माइया बाउचियर को पवेलियन भेजकर भारत के विकेटों का खाता खोला था। डंकले 11 रन बना सकीं। वहीं, बाउचियर तो खाता भी नहीं खोल पाईं। वहीं, साइका इशाक ने एलिस कैप्सी को आउट किया। वह सात रन बना सकीं। इसके बाद एमी जोंस और हीथर ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की साझेदारी निभाई थी। 12वें ओवर में साइका ने जोंस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वह 21 गेंद में 25 रन बना सकीं। इसके बाद अगली ही गेंद पर साइका ने डेनिएल गिब्सन (0) को क्लीन बोल्ड किया। इसके अगले ओवर (13वें) में श्रेयंका ने बेस हीथ को कैच आउट कराया। वह एक रन बना सकीं। इसकी अगली ही गेंद पर श्रेयंका ने फ्रेया केम्प (0) को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। 15वें ओवर में श्रेयंका ने एक्लेस्टोन को बोल्ड किया। वह दो रन बना सकीं। 76 पर आठ विकेट गिरने के बाद हीथर ने चार्लोट डीन के साथ नौवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी निभाई। हीथर 42 गेंद में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 52 रन की पारी खेली। वहीं, डीन ने 15 गेंद में 16 रन बनाए। महिका गौर खाता भी नहीं खोल सकीं। साइका और श्रेयंका ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, रेणुका ठाकुर और अमनजोत कौर ने दो-दो विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अमनजोत कौर, रेणुका ठाकुर सिंह, सायका इशाक।

इंग्लैंड- सोफिया डंकले, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, हीथर नाइट (कप्तान), एमी जोन्स (विकेटकीपर), डेनिएल गिब्सन, बेस हीथ, फ्रेया केम्प, सोफी एक्लेस्टोन, चार्लोट डीन, माहिका गौर।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।